आज का विचार

अनुभव और कर्म ये दो हमारे गुरू हैं दोनों ही साथ चलते हैं कर्म परिस्थिति से लड़ना सिखाता है और अनुभव जीत हासिल करना।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

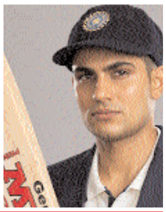

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-24 अंक-117 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

रायपुर, मंगलवार 8 जुलाई , 2025

भोलेनाथ की भक्ति में रंगेगा देवगढ़ धाम, होंगे विविध अनुष्ठान

शुभमन गिल और आकाशदीप ने किया कमाल

3200 करोड़ से ज्यादा के घोटाले को लेकर ईओडब्ल्यू का बड़ा खुलासा, 29 अधिकारियों के खिलाफ पेश किया चालान

रायपुरः छत्तीसगढ़ में बहुचर्चित आबकारी घोटाले की जांच कर रही आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो और भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो ने सोमवार को विशेष न्यायालय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) रायपुर में आबकारी विभाग के २९ अधिकारियों के खिलाफ चतुर्थ पूरक अभियोग पत्र प्रस्तुत किया। इन अधिकारियों पर साल २०१९ से २०२३ के बीच लगभग २१७४ करोड़ रुपये की बिना ड्यूटी पेड शराब की अवैध बिक्री में संलिप्तता का आरोप है।

घोटाले में शामिल अधिकारी उपायुक्त से लेकर सहायक आबकारी अधिकारी तक

ईओडब्ल्यू/एसीबी द्वारा प्रस्तुत पूरक चालान में सहायक जिला आबकारी अधिकारी से लेकर उपायुक्त आबकारी अधिकारी स्तर तक के अफसरों को आरोपी बनाया गया है। इनमें प्रमुख नाम अनिमेष नेताम, विजय सेन शर्मा, अरविंद कुमार पाटले, प्रमोद कुमार नेताम, रामकृष्ण मिश्रा, विकास गोस्वामी, इकबाल खान, नितिन खंडुजा सहित २९ अधिकारी शामिल हैं, जिनमें कई अधिकारी सेवानिवृत्त भी हो चुके हैं। ईओडब्ल्यू ने बताया कि इन अधिकारियों की भूमिका उन १५ प्रमुख जिलों में रही है, जहां शासकीय शराब दुकानों में समानांतर रूप से 'बी-पार्ट' शराब (बिना ड्यूटी चुकाई गई) बेची जा रही थी। ये अधिकारी न केवल जिला स्तर पर प्रभारी थे, बल्कि राज्य स्तरीय समन्वयक की भूमिका में भी थे।

तीन सालों में लगभग ६०.५० लाख पेटी अवैध शराब बेची गई

जांच के अनुसार, बिना ड्यूटी पेड शराब की बिक्री करीब ६०,५०,९५० पेटी तक पहुंची, जिसकी अनुमानित कीमत २१७४ करोड़ रुपये है। इस अवैध बिक्री की राशि सीधे सिंडीकेट तक पहुंचाई जाती थी, जिसमें अधिकारियों को मोटा कमीशन मिलता था। ये कार्य देशी शराब की अधिक खपत वाले जिलों में किया गया, जहां डिस्टलरियों से अवैध रूप से अतिरिक्त शराब सीधे दुकानों तक पहुंचाई जाती थी।

पूरे नेटवर्क में २०० से अधिक लोग संलिप्त

ईओडव्ल्यू की जांच में पाया गया कि इस नेटवर्क में सेल्समैन, सुपरवाइजर, आरक्षक, मैनपावर सप्लाई एजेंसी के अधिकारी, सिक्योरिटी एजेंसी कर्मचारी और एजेंट शामिल थे। लगभग २०० लोगों के बयान और डिजीटल साक्ष्य के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया।

घोटाले की राशि ३२०० करोड़ रुपये से अधिक

शुरूआती जांच में आबकारी घोटाले की अनुमानित राशि २१६१ करोड़ रुपये बताई गई थी। लेकिन अब नई जांच में यह आंकड़ा ३२०० करोड़ रुपये से अधिक आंका जा रहा है। विदेशी शराब पर लिए गए कमीशन की जांच अभी चल रही है।

अभियुक्तों की कोर्ट में गैरहाजिरी, गिरफ्तारी की तलवार

चालान के अनुसार, सभी २९ आरोपी अधिकारियों को नोटिस देकर अदालत में पेश होने को कहा गया था, लेकिन वे कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए। अब उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

अब तक १३ आरोपी गिरफ्तार, ७० नामजद

घोटाले की जांच के दौरान अनिल टुटेजा, अनवर ढेबर, अरुणपति त्रिपाठी, कवासी लखमा सहित कुल १३ आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। कुल ७० लोगों को नामजद किया गया है और विवेचना अभी जारी है।

पहला कॉलम

अमरनाथ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह, 4 दिन में दर्शनार्थियों की संख्या 70 हजार के पार

श्रीनगर ,07 जुलाई (ए)। अमरनाथ यात्रा को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह दिख रहा है। पिछले चार दिनों में 70 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने अमरनाथ यात्रा की, जबकि 8,605 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था सोमवार को कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों के अनुसार, तीन जुलाई से शुरू अमरनाथ यात्रा के बाद से अब तक करीब 70 हजार लोगों ने बाबा बफानी के दर्शन किए। इनमें से 21,512 यात्रियों ने रविवार को दर्शन किए। इसके अलावा, 8,605 यात्रियों का एक और जत्था सोमवार को दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि पहला काफिला 3,486 श्रद्धालुओं को लेकर उत्तर कश्मीर के बालटाल बेस कैंप जा रहा है, जबकि दूसरा काफिला 5,119 श्रद्धालुओं को लेकर दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप जा रहा है। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने बताया कि जम्मू में भगवती नगर यात्री निवास में आने वाले यात्रियों के अलावा, कई श्रद्धालु यात्रा में शामिल होने के लिए मौके पर पंजीकरण के लिए सीधे बालटाल और नुनवान (पहलगाम) पहुंच रहे हैं। सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत को बढ़ाने के लिए सीएपीएफ की 180 अतिरिक्त कंपनियां लाई गई हैं।

कुछ अलग

1984 ऑपरेशन ब्लू स्टार : निशिकांत दुबे का दावा, 'ब्रिटेन ने इंदिरा गांधी का दिया था साथ

नई दिल्ली ,07 जुलाई (ए)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने 1984 के स्वर्ण मंदिर हमले को लेकर सनसनीखेज दावा किया है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ब्रिटेन के साथ मिलकर स्वर्ण मंदिर पर हमला किया था।

भाजपा नेता अपने एक्स हैंडल पर गृह सचिव की एक कथित रिपोर्ट का हवाला देते हुए लिखा, 1984 में स्वर्ण मंदिर पर हमला ब्रिटेन के साथ मिलकर किया गया। ब्रिटिश सेना के अधिकारी अमृतसर में मौजूद थे। कांग्रेस के लिए सिख समुदाय सिर्फ खिलौना है। उन्होंने यह भी दावा किया कि 1960 में करतारपुर साहिब पाकिस्तान को देने का समझौता सरदार स्वर्ण सिंह ने किया, 1984 में सिखों के कत्लेआम को छुपाने के लिए वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं को बचाया गया और 2004 में मनमोहन सिंह को कठपुतली प्रधानमंत्री बनाया गया।

राजपुर रोड असोला में मिडिल स्कूल के सामने 41.5 डिसमिल जमीन प्रीकास्ट बाउन्ड्री किया हुआ तत्काल बेचना है।

सम्पर्क करें -
राकेश अग्रवाल
मो. 9977088562

खरी-खरी

समंदर में बादशाहत की तैयारी : भारत खरीदेगा 1.30 लाख करोड़ के 200 जहाज, सरकारी कंपनियां मिलकर बनाएंगी

नई दिल्ली ,07 जुलाई (ए)। दुनिया का बड़ा इंपोर्टर और एक्सपोर्टर बनने की राह पर चल रहे भारत ने अब समंदर में अपनी ताकत बढ़ाने के लिए एक महा-योजना तैयार की है। सरकार ने 1.30 लाख करोड़ रुपए की लागत से 200 नए मालवाहक जहाज (स्द्धद्बश्चह्य) खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस कदम का मकसद विदेशी जहाजों पर देश की निर्भरता को कम करना और समुद्री व्यापार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरना है।

क्यों पड़ी नए जहाजों की जरूरत?

यह बड़ी पहल इसलिए की जा रही है क्योंकि भारतीय जहाजों को बढ़ावा देने वाली मौजूदा योजना अपने लक्ष्यों को पूरा करने में विफल रही है। वर्तमान में, भारत के कुल समुद्री व्यापार का केवल 8त्न माल ही भारतीय ध्वज वाले जहाजों द्वारा ढोया जाता है। इसके चलते देश को हर साल लगभग 70 बिलियन डॉलर (करीब 5.8 लाख करोड़ रुपये) की भारी-भरकम विदेशी मुद्रा विदेशी शिपिंग कंपनियों को देनी पड़ती है।

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय ने पेट्रोलियम, इस्पात और उर्वरक मंत्रालयों के साथ मिलकर यह नई योजना बनाई है। इन मंत्रालयों ने अपनी जरूरतों के लिए लगभग 200 नए जहाजों की मांग रखी है।

क्या है सरकार का नया मेगा प्लान?

एक रिपोर्ट के अनुसार, एक महत्वाकांक्षी योजना के तहत लगभग 1.30 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से कुल 8.6 मिलियन ग्रॉस टन क्षमता वाले 200 नए जहाजों का अधिग्रहण किया जाएगा। यह पहल विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इन जहाजों का स्वामित्व सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (क्कस्ह्य) के पास संयुक्त रूप से होगा। इसके अतिरिक्त, यह 'मेक इन इंडियाइ अभियान को एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन प्रदान करेगा, क्योंकि इन सभी जहाजों का निर्माण आने वाले वर्षों में भारत के भीतर ही भारतीय शिपयार्ड में किया जाना प्रस्तावित है।

क्यों फेल हुई थी पुरानी योजना?

केंद्र सरकार ने जुलाई 2021 में भारतीय जहाजों को बढ़ावा देने के लिए 1,624 करोड़ रुपए की एक सब्सिडी योजना को मंजूरी दी थी।

प्रसिद्ध पर्वतारोही अनीता कुंडूः बुलंद हौसलों के बूते तय किया कठिन सफर, पहाड़ों से भी ऊंची है कहानी

नई दिल्ली ,07 जुलाई (ए)। ये सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि उस साहसी बेटी की पैदाइश का दिन है, जिसने जिंदगी की सबसे ऊंची चुनौतियों को भी अपने कदमों के नीचे कर दिया। अनीता कुंडू ये सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक प्रेरणा और जीवित मिसाल है। उन्होंने सिर्फ पहाड़ों को फतह नहीं किया, समाज की सोच को भी नई ऊंचाई दी। आज वो जज्बे, संघर्ष और बुलंदियों को छूने की जिद का प्रतीक हैं। 8 जुलाई 1991 को हरियाणा के हिसार जिले में अनीता कुंडू का जन्म हुआ। उनका बचपन संघर्षों से भरा था। 12 साल की उम्र में ही सिर से पिता का साया उठ गया। पिता को खो देने के बाद अनीता की मां ने खेतों में काम कर घर चलाया तो खुद अनीता दूध बेचकर परिवार का साथ देती रहीं। तमाम कठिनाइयों के बीच जहां ज्यादातर लोग हालातों से हार मान लेते हैं, अनीता ने उन्हीं हालातों को सीढ़ी बनाया और आगे बढ़ते हुए दुनिया की सबसे ऊंची चोटी को भी फतह कर लिया। पारिवारिक संघर्ष के बीच 2008 में अनीता कुंडू हरियाणा पुलिस में भर्ती हुईं। सरकारी नौकरी के बाद जिंदगी पटरी पर लौटने लगी। परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ तो अनीता कुंडू का पर्वतारोही बनने का जुनून बढ़ने लगा।

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट

- आईएमडी ने कई राज्यों में किया भारी बारिश का अलर्ट
- सोमवार को दिल्ली में भी भारी बारिश, पारा गिरा
- मंडी- शिमला में अलर्ट, बादल फटने की आशंका

नई दिल्ली, देश के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश को लेकर मौसम विज्ञान विभाग (द्बरूष्ठ) ने ताजा अलर्ट जारी किया है। इस रिपोर्ट के अनुसार, ७ जुलाई को छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र और विदर्भ में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

इसके साथ ही पूर्वी राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा और उत्तराखंड में भी अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

हिमाचल प्रदेशः मंडी में रेड अलर्ट

शिमला के कुछ हिस्सों में बारिश जारी रही। रविवार को कहीं-कहीं बादल फटने से स्थिति और खराब हो गई। सोमवार के लिए आईएमडी ने कांगड़ा, मंडी और सिरमौर में रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि चंबा, कुल्लू, शिमला सोलन, हमीरपुर और ऊना में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

किन्नौर, लाहौल और स्पीति में अभी लोगों को राहत रहेगी। कुल मिलाकर, अलग-अलग स्थानों पर गरज और बिजली के साथ भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

सोमवार सुबह दिल्ली में बारिश

राजधानी दिल्ली में सोमवार सुबह अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग ने सोमवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। एनसीआर क्षेत्रों में गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुड़गांव और गौतम बुद्ध नगर के लिए भी येलो अलर्ट है।

आईएमडी दिल्ली एनसीआर ने सोमवार को अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करके जानकारी दी कि दिल्ली और एनसीआर के कई स्थानों, झज्जर, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, पलवल, नूंह, औरंगाबाद, सोनीपत, रोहतक और अन्य स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ हल्की आंधी और बिजली गिरने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान ३२-३४ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान २६-२८ डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

महाराष्ट्रः कुछ हिस्सों में रेड अलर्ट

महाराष्ट्र में, पुणे और पालघर सहित मध्य कई इलाकों में ७ जुलाई को बिजली और गरज के साथ अत्यधिक भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है।

राजनीति में 'चेहरे पे कई चेहरे, पर प्रो. सांवरलाल जाट ऐसे नहीं थे : वसुंधरा राजे

सिरोंज ,07 जुलाई (ए)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने एक बार फिर भारतीय राजनीति की बदलती प्रकृति पर तीखा कटाक्ष किया है। उन्होंने रविवार को अजमेर जिले के सिरोंज गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में दिवंगत नेता प्रो. सांवरलाल जाट की मूर्ति के अनावरण के दौरान उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सियासत के बदलते चेहरे को कठघरे में खड़ा किया। वसुंधरा राजे ने कार्यक्रम के बाद अपने एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट पर अपने दिल की बात साझा करते हुए लिखा—मौसम और इंसान कब बदल जाए कोई भरोसा नहीं। आजकल राजनीति में लोग नई दुनिया बसा लेते हैं, एक चेहरे पे कई चेहरे लगा लेते हैं। पर प्रो. सांवर लाल जाट ऐसे नहीं थे। वे मरते दम तक मेरे साथ थे। राजे ने इस दौरान पूर्व उपराष्ट्रपति स्व. भैरोंसिंह शेखावत, स्व. प्रो. सांवरलाल जाट और स्व. डॉ. दिगंबर सिंह को याद करते हुए कहा कि इन तीनों नेताओं के जाने से राजस्थान की राजनीति और व्यक्तिगत रूप से उन्हें अपूरणीय क्षति हुई है।

ये तीनों नेता मेरी मदद के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। प्रो. जाट मेरे जैसे ही स्व. भैरोंसिंह शेखावत जी की राजनीतिक पाठशाला के छात्र थे।

अनिच्छा से लड़ी थी लोकसभा की लड़ाई, पर जीते

वसुंधरा राजे ने खुलासा किया कि अजमेर से सांसद बनने के पीछे प्रो. जाट की व्यक्तिगत इच्छा नहीं थी। अजमेर लोकसभा चुनाव लड? की उनकी इच्छा नहीं थी, लेकिन अनुशासित सिपाही की तरह पार्टी का आदेश मानते हुए उन्होंने चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। उन्होंने यह भी याद किया कि यदि प्रो. जाट 2018 में जीवित होते, तो किसानों के लिए किए गए ऋण माफी जैसे कार्यों पर उन्हें बेहद संतोष होता।

बीसलपुर से लेकर चंबल तक था प्रो. जाट का सपना

राजे ने बताया कि अजमेर में बीसलपुर परियोजना का पानी पहुँचाने का श्रेय सीधे तौर पर प्रो. जाट को जाता है। उनकी इच्छा थी कि चंबल बेसिन का पानी बीसलपुर बांध में डाला जाए। हमने 2018 में श्वक्रष्टक्क (ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट) की शुरूआत की थी, जिससे उनका सपना साकार हो सके। उन्होंने यह भी जोड़ा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं प्रो. जाट के निधन को भाजपा और राष्ट्र के लिए बड़ी क्षति करार दिया था।

रामस्वरूप लांबा को बताया उत्तराधिकारी

वसुंधरा राजे ने इस अवसर पर प्रो. जाट के पुत्र और वर्तमान विधायक रामस्वरूप लांबा की तारीफ करते हुए कहा कि वे अपने पिता की विचारधारा को आगे बढ़ा रहे हैं और क्षेत्र की सेवा में लगे हुए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि रामस्वरूप लांबा प्रो. जाट की तरह पार्टी और जनता के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

राजनीति में मूल्य और विश्वास की बात

वसुंधरा राजे के इस बयान को विश्लेषक राजनीति के बदलते मूल्यों और वफादारी की कमी की ओर इशारा मान रहे हैं। यह पहला मौका नहीं है जब राजे ने सार्वजनिक मंच से इस तरह की टिप्पणी की हो। बीते वर्षों में उन्होंने कई बार अप्रत्यक्ष रूप से पार्टी के भीतर और बाहर बदलती राजनीतिक चालों पर सवाल उठाए हैं।

राजे की पोस्ट में यह भाव विशेष रूप से गूंजता है:

मौसम और इंसान कब बदल जाए कोई भरोसा नहीं...

यह पंक्ति आज की राजनीति में विश्वास और निष्ठा की गिरती हुई स्थिति का प्रतीक बन गई है। साथ ही, यह दिवंगत प्रो. सांवरलाल जाट जैसे नेताओं के समर्पण और ईमानदारी की विरासत को भी उजागर करती है।

सेवा सप्ताह पर विहिप-बजरंग दल ने किया सामुहिक रक्तदान

जगदलपुर। विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल ने सेवा सप्ताह कार्यक्रम के तहत महारानी अस्पताल जगदलपुर में सामूहिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल सहित अन्य लोगों ने रक्तदान किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य रक्तदान के महत्व को बढ़ावा देना और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

पहला कालम

पद्मश्री माता राजमोहिनी देवी का जन्मोत्सव धूमधाम से मना

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय अनुसंधान केंद्र अंबिकापुर में ७ जुलाई को डॉ संतोष कुमार सिंहा, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय अंबिकापुर की अध्यक्षता में पद्मश्री माता राजमोहिनी देवी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया ।इस अवसर पर पद्मा श्री माता राजमोहिनी देवी की प्रतिमा पर अधिष्ठाता महोदय एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी द्वारा पुष्प अर्पित किया गया । अधिष्ठाता महोदय ने माता राजमोहिनी देवी को याद करते हुए सभी को उनके कर्मों से सीख लेने की प्रेरणा दि ।इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल में दिया गया आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल बिश्रामपुर में आज छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही बच्चियों तथा महिलाओं को कन्या भ्रूण हत्या निषेध अधिनियम, बाल विवाह निषेध अधिनियम, पॉक्सो एक्ट-गुड टच-बैड टच, घरेलू हिंसा अधिनियम एवं कार्यस्थल पर महिलाओं का लैगिंग उत्पीडन अधिनियम २०१३ की जानकारी दी गई। इसके अलावा समाज में लोगों की लिंग भेद वाली सोच को समाप्त करने तथा लड़की जन्म पर खुशी मनाने के लिए प्रेरित किया गया। बाल विवाह मुक्त सूरजपुर बनाने हेतु शपथ भी दिलाया गया। साथ में ब्रोसर का वितरण कर उन्हे अपनी सुरक्षा व समाज में पीड़ित बच्चियों व महिलाओं की सुरक्षा के लिए पढ़ने हेतु प्रेरित किया गया। सखी वन स्टॉप सेन्टर से संबंधित सभी जानकारियां दी गई। जिससे समय पर पीड़ित महिला की सहायता हो सके।

मुठभेड़ में मारे गये नक्सली की शिनाख्त 8 लाख का इनामी स्नाइपर सोढ़ी कन्ना के रूप में हुई

बीजापुर। नेशनल पार्क एरिया में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच 4 जुलाई को हुई मुठभेड़ में एक पुरूष नक्सली का शव बरामद हुआ था, जिसकी शिनाख्त नक्सलियों के स्नाइपर 8 लाख का इनामी बटालियन नंबर 1 की कंपनी नंबर 2 का डिप्टी कमांडर सोढ़ी कन्ना के रूप में हुई है। सर्चिंग में मारे गये नक्सली के शव के साथ 1 नग .303 रायफल तथा 5 नग जीवित राउंड, एके-47 का मैग्जीन व 59 नग जीवित राउंड, नक्सली वर्दी 1 जोड़ी, कोडेक्स वायर, सेफ्टी फ्यूज, डेटोनेटर, नक्सली पि्ू, नक्सली साहित्य, रेडियो व अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद हुआ है।

बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि, जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। जिस पर डीआरजी बीजापुर, डीआरजी दंतेवाड़ा, एसटीएफ, कोबरा 202, कोबरा 210 और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम को 4 जुलाई से सर्च ऑपरेशन पर भेजा गया था। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच रुक-रुककर मुठभेड़ होती रही। उन्होने बताया कि मृत नक्सली की पहचान 8 लाख का इनामी सोढ़ी कन्ना के रूप में हुई है, जो पीएलजीए बटालियन नंबर 1 की कंपनी नंबर 2 का डिप्टी कमांडर के रूप में टेकलगुडि ?म क्षेत्र में सक्रिय था। सोढ़ी कन्ना धरमारम कैंप पर हमले सहित कई बड़ी वारदातों में शामिल रहा है। वह सीसीएम माड़वी हिडमा का सहयोगी था, और बटालियन में स्नाइपर के रूप में कार्यरत था। उसके मारे जाने से नक्सली संगठन को स्नाइपर क्षमताओं के लिहाज से भारी क्षति हुई है।

बस्तर आईजी सुन्दरराज पी. ने बताया कि वर्ष 2024 में प्राप्त निर्णायक सफलताओं को आगे बढ़ाते हुए, वर्ष 2025 में भी बस्तर संभाग में नक्सलियों के विरुद्ध सुरक्षा बलों द्वारा सघन, रणनीतिक एवं निरंतर अभियान संचालित किए जा रहे हैं। बीते 18 महीनों (2024-25) में अब तक 415 हार्डकोर नक्सलियों के शव बरामद किए जा चुके हैं। उन्होने बताया कि भीषण वर्षा और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों वाले मानसून के इस चुनौतीपूर्ण दौर में भी सुरक्षाबलों की सक्रियता, सतर्कता और समर्पण में कोई कमी नहीं आई है।

हुसैन की शहादत की याद में निकला मोहर्रम का मातमी जुलूस

ताजियों के साथ नगर में निकला जुलूस, अखाड़े में युवाओं ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

पत्थलगांव (अम्बिकावाणी समाचार)। शहादत और मातम का पर्व मुहर्रम धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर यहां ताजियों के साथ मुहर्रम का जुलूस भी निकाला गया जिसमें मुस्लिम धर्मावलंबियों ने इमाम हसन हुसैन की शहादत का मातम मनाया। सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम बंधु जुलूस में शामिल हुए। मोहर्रम का पर्व पारंपरिक ढंग से मनाया गया। इसे लेकर मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा जुलूस भी निकाला गया। जुलूस में सदस्यों ने पारंपरिक परिधान पहन रखे थे। मुस्लिम समाज के मो बांबर खान ने बताया कि मुहर्रम का पर्व इमाम हसन हुसैन की शहादत की याद में मनाया जाता है। करबला के युद्ध में उनके पूरे कुनबे की शहादत पर मातम मनाकर उन्हें याद किया जाता है और उनके दिखाए रास्ते पर चलने की नसीहत दी। जाती है। उन्होंने बताया कि मुहर्रम का पर्व दस दिनों तक मनाया जाता है। इस वर्ष भी मुहर्रम के मौके पर इमाम हुसैन के दिखाए रास्तों को याद करने के साथ ही उनकी शहादत पर मातम भी मनाया गया। मुहर्रम के मौके पर रविवार को जुलूस भी निकाला गया। पारंपरिक वेशभूषा में सैकड़ों मुस्लिम धर्मावलंबी पुरूष एवं महिलाएं इसमें शामिल हुए। बिलाईटांगर स्थित जामा मस्जिद पर पेशे इमाम द्वारा फातिहा पढ़े जानें के बाद ताजियों के साथ जुलुस प्रारंभ हुआ। बस स्टैण्ड चौक पर मुस्लिम युवाओं द्वारा प्रतीकात्मक हथियारों से युद्ध कला का प्रदर्शन किया गया। बाबर खान ने बताया कि युद्धकला का प्रदर्शन करबला के भीषण युद्ध का प्रतीक होता है। उन्होंने बताया कि मो इमाम हसन हुसैन पैगम्बर मो हजरत के नवासे थे। करबला के मैदान में बादशाह यजीद की सेना और इमाम हुसैन के बीच भीषण युद्ध हुआ। जिसमें इमाम हुसैन ने अपने साथ ही पूरे कुनबे की शहादत दी थी। उन्होंने बताया कि मोहर्रम के पर्व के माध्यम से करबला के युद्ध का चित्रण कर इमाम हुसैन को याद किया जाता है। जुलूस के में दौरान लोगों ने इमाम हुसैन की याद नारे भी लगाए। बसस्टैण्ड चौक से जुलूस जशपुर रोड, रायगढ़ें रोड, अंबिकापुर रोड रोड होते हुए कब्रिस्तान पहुंचा। वहां फालिहा और ताजिए ठंडा करने की रस्म के साथ मुहर्रम संपन्न हुआ। बाबर खान के अलावा ,मोलाना मो शौकत अली ,ईसलाम, , मो कासिम खान, मो महबूब, निशामुद्दीन खान, मो सलिम प्रभारी, शाहरुख खान, पिनटु,अनवर अली, अंजुम,नबाब अंसारी ,मजहर अली,समेत बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग यहां उपस्थित रहे।

घुनघुट्टा डेम का गेट खोलते ही अमेरा खदान में जल प्रलय,फेस में घुसा पानी

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। शनिवार को पूरे दिन के बाद पूरी रात हुई बारिश और फिर रविवार को हुई तेज बारिश के बाद क्षेत्र के नदी नाले उफान पर हैं ।अंबिकापुर जिला प्रशासन ने एहतियात बरतते हुए घुनघुट्टा बांध के पांच गेट को खोल दिया जिसके बाद रेंड और घुनघुट्टा में बाढ़ सदृशय स्थिति निर्मित हो गई थी। डेम का पानी खुलते ही अमेरा खदान में जल प्रलय की स्थिति निर्मित हो गई और देखते ही देखते अमेरा खदान पूरी तरह पानी में डूब गया ।घटना की जानकारी जैसे ही एसईसीएल प्रबंधन को मिली जिसके बाद सरगुजा जिला प्रशासन से संपर्क कर वस्तु स्थिति से अवगत कराया गया और बांध के शेष गेट को नहीं खोलने का निवेदन किया गया ।बताया गया कि जैसे ही बांध का गेट खोला गया इसका सीधा असर खदान में देखने को मिला और बांध का पानी देखते ही देखते खदान में जा समाया ।खदान में रात्रि पाली में काम करने वाले खदान में एकाएक घुस रहे तेज बहाव पानी को देख अचानक कुछ समझ नहीं पाए बाद में मामले की जानकारी क्षेत्रीय प्रबंधन को दी गई ।क्षेत्रीय प्रबंधन के अधिकारियों ने खदान का जायजा लिया है ।खबर है कि अभी जून माह में खदान में मानसून प्रिपरेशन का कार्य प्रबंधन ने कराया था सो पूरी तरह से सबकुछ बर्बाद जैसी हालत निर्मित हो गई है ।खदान के फेस में बड़ी मात्रा में जलभराव ने प्रबंधन के समक्ष नई चुनौती खड़ी कर दी है ।वैसे भी बिश्रामपुर क्षेत्र की हालत दिनो दिन पुनः बिगड़ती जा रही है।

आमगांव ,अमेरा खुली खदान में अधिग्रहित भूमि का आधिपत्य मिलने में आ रही अड़चन ग्रामीणों की लामबंदी से निपटने अगर समय रहते प्रबंधन कारगर उपाय नहीं कर पाती है तो फिर क्षेत्र में उत्पादन संकट की स्थिति निर्मित हो जाएगी ।वर्तमान में कुमदा सहक्षेत्र की दोनों खदान बंद पड़ी हैं, यहां साढ़े छह सौ कामगारों को प्रबंधन बैठा कर हर माह करोड़ो रु मुफ्त का वेतन दे रही है ।श्रम संगठनों के दबाव के कारण प्रबंधन कामगारों को दूसरे क्षेत्रों में तबादला नहीं कर पा रही है ।कुल मिलाकर बिश्रामपुर क्षेत्र की स्थिति पुनः एकबार बेपटरी होती दिखाई देने लगी है।

355 रिक्त पदों के लिए प्लेसमेंट कैंप का आयोजन 09 जुलाई को

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए ९ जुलाई २०२५ को जनपद पंचायत बलरामपुर के सभाकक्ष में प्रातः ११ से दोपहर ३ः०० बजे तक प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जाएगा। इच्छुक आवेदक-आवेदिका निर्धारित स्थल पर अपनी शैक्षणिक दस्तावेजों की मूल प्रति एक सेट छाया प्रति एवं पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ सहित उपस्थित होकर अवसर का लाभ ले सकते है।

आयोजित प्लेसमेंट कैंप में फीडम एम्प्लॉयबिलिटी एकेडमी,हवेली रेस्टोरेंट,अमित मोटर्स,आकाश एग्रो इण्डस्ट्रीज, श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस, चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एण्ड फाईनेंस कंपनी, श्रीराम एग्रो एजेंसी,मॉ अम्बे ट्रेक्टर्स, आर्यन ट्रेडर्स,सुमित ट्रेडर्स, अश्रव सिक्योरिटी एच आर सर्विस प्रा.लि.कंपनी, जीनस पॉवर इन्फ्रास्टक्चर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड बलरामपुर उपस्थित होंगे।

प्लेसमेंट कैंप में ऑफिस टीचर के ५, वेटर के ४, रिसेप्शनिस्ट के १, क्लीनर के २, वेल्डर के ७, लेथ मशीन ऑपरेटर के १, हेल्फर के २, शॉपवर्कर्स के २, डीईएसओ के ६, टीएसएम के ४, बीओई के २, एसएम के २, कलेक्शन ऑफिसर के २, कम्प्यूटर ऑपरेटर के २, मैनेजर के १, सेल्स बॉय के १, काउंटर के १ बॉय,कैशियर के १, अस्सिटेंट नर्स के १००, एचआर एग्जीक्यूटिव के ५, ऑफिस अस्सिटेंट के २, सिक्योरिटी गार्ड के ५०, बिलिंग एग्जीक्यूटिव के ५, टेक्नीशियन के १४०, सुपरवाईजर के ७ पदों पर भर्ती की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र बलरामपुर में सम्पर्क नंबर ७८३१२-९९१५८, ७५८७७-२०७७४ पर संपर्क कर सकते हैं।

नवल दास के गीत-संगीत से सजी द्वादश ज्योतिर्लिंग मोर महादेव, होंगे सभी ज्योतिर्लिंग के होंगे दर्शन

भिलाई। राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित फिल्म साउंड ऑफ वाटर के निमार्ता श्रवण कुमार राठौर अब दर्शकों के लिए छत्तीसगढ़ी फिल्म ₹द्वादश ज्योतिर्लिंग मोर महादेव₹ लेकर आ रहे हैं। आगामी 25 जुलाई को यह फिल्म संपूर्ण छत्तीसगढ़ में रिलीज हो रही है। इसे पंडित प्रदीप मिश्रा सीहोर वाले का भी आशीर्वाद मिला है, उन्हीं के हाथों फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया गया और उन्हें फिल्म से संबंधित संपूर्ण जानकारी दी गई। इस फिल्म की खास बात यह है कि इसमें दर्शकों को 12 ज्योतिलिंगों के दर्शन होंगे साथ ही एक पारिवारिक कहानी और सुमधुर गीत संगीत का भी आनंद मिलेगा। इस फिल्म का निर्माण डी.सी. फिल्म्स प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले किया गया है। ऐसे तो इस फिल्म में ढेर सारे कलाकारों ने अभिनय किया है लेकिन मुख्य भूमिका सुपर स्टार प्रकाश अवस्थी, नैनी तिवारी, श्रवण कुमार राठौर ने निभाई है। इनके अलावा फिल्म में योगेश अग्रवाल, डॉ अजय सहाय, संतोष जैन, नवलदास मानिकपुरी, अखिलेश वर्मा, संजय तेलंग, मुस्कान चौहान एवं संतोष प्रकृति ने भी अभिनय किया है तथा फिल्म में अरुण जॉनसन (तम्बी) एवं स्व. जसबीर कोमल ने क्रियेटिव डायरेक्टर के रूप में कार्य किया है। फिल्म को गीत-संगीत से नवल दास मानिकपुरी एवं स्वं जसबीर कोमल ने सजाया है। संगीत संयोजन पं. विवेक नीलेश शर्मा का है। तथा फिल्म में 8 गाने है जो भक्ति स्वरूप एवं आरती के रूप में आपको सुनाई देंगे।फिल्म में ढेर सारे देवी देवताओं के गेट अप में छत्तीसगढ़ के कलाकार नजर आएंगे यह उनके लिए एक सुखद क्षण होगा जब वह अपने आप को देवी देवताओं के रूप में पर्दे पर देखेंगे। सावन के महीने में भगवान महादेव पर आधारित इस फिल्म को लेकर शिव भक्तों में उत्साह है, फिल्म के निमार्ता निर्देशक श्रवण कुमार राठौर है। इसकी परिकल्पना श्रवण कुमार राठौर ने की है। फिल्म के निमार्ता श्रवण कुमार राठौर ने बताया कि वह भी शिव भक्त है और इस फिल्म के निर्माण में किसी भी प्रकार की अड़चन नहीं आई क्योंकि भगवान शिव का आशीर्वाद उनके साथ सदा रहा।

भोलेनाथ की भक्ति में रंगेगा देवगढ़ धाम, होंगे विविध अनुष्ठान

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। श्रावण मास के अवसर पर प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी भोलेनाथ की भक्ति और जन आस्था का विराट संगम देवगढ़ धाम में देखने को मिलेगी। महाशिवरात्रि के एक दिन पहले २२ जुलाई को सूरजपुर छठ घाट से हजारों श्रद्धालु भक्त जमदाग्नि ऋषि की तपोभूमि और उत्तर वाहिनी पुण्य सलिला रेणुका नदी के तट पर स्थित अर्द्धनारेश्वर शिवलिंग का जलाभिषेक करने पदयात्रा पर निकालेंगे। श्रद्धालु मानते हैं कि अर्द्धनारेश्वर शिवलिंग का जलाभिषेक कर उन्हें जीवन में शांति, शक्ति और शिवकृपा का वरदान प्राप्त होता है। ज्ञात हो कि देवगढ़ धाम न सिर्फ धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह स्थल पुरातात्विक व ऐतिहासिक दृष्टि से भी विशिष्ट है। रेणुका नदी के तट पर स्थित यह स्थल वह भूमि है, जहां ऋषि जमदाग्नि ने तपस्या की और जहां श्रद्धालु आज भी शिव-शक्ति स्वरूप अर्द्धनारेश्वर की आराधना कर जीवन का कल्याण मांगते हैं। इस विशाल आयोजन को सफल बनाने के लिए मां कुदरगढ़ी सेवा परिवार और विभिन्न समाजसेवी संगठनों ने कमर कस ली है। यहां पर रात्रि में आयोजित विशाल शिव जगराते में देशभर के प्रसिद्ध कलाकार स्नेहा सरगम देवघर, झारखंड, विवेक ताम्रकार रायपुर, ओम अग्रहरि बैकुंठपुर, अंजली यादव मप्र, अविनाश पुरी सूरजपुर और पुनित एंड ग्रुप जबलपुर अपने सजीव भजनों और शिव झांकियों से पूरे धाम को शिवमय बना देंगे। बताया जा रहा है कि इस वर्ष भी श्रावण माह के प्रत्येक सोमवार को बिश्रामपुर निवासी सुभाष गोयल व अंबिकापुर निवासी विजय गोयल अपने परिवारजनों के देवगढ़ धाम में भव्य भण्डारे का आयोजन करेंगे। पूरे आयोजन को सफल बनाने में सुभाष गोयल, पवन गर्ग, राहुल अग्रवाल, राजेश मित्तल, अंशुल गोयल, दीपक गोयल, नलिन जिंदल, दीपक सिंघल, चाहत जैन, विकास जैन, आलोक अग्रवाल जैसे दर्जनों सेवा भावी सदस्य जुटे हुए हैं।

प्रभारी सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले पहुंची ग्राम झलरिया

जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का लिया जायजा, दिये आवश्यक निर्देश

बलरामपुर, (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ शासन की खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की सचिव तथा बलरामपुर-रामानुजगंज जिले की प्रभारी सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने अपने एक दिवसीय प्रवास पर विकासखंड बलरामपुर के ग्राम पंचायत झलारिया का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का अवलोकन करते हुए लाभान्वित हितग्राहियों से सीधा संवाद कर उनके अनुभव सुने और योजनाओं की प्रगति का आंकलन किया। इस दौरान उन्होंने च्च्एक पेड़ माँ के नामज्ज अभियान के अंतर्गत पौधरोपण एवं जल संरक्षण सप्ताह के तहत श्रमदान कर जनभागीदारी का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने महिला स्व-सहायता समूह की लखपति दीदी से मुलाकात कर उनकी आजीविका गतिविधियों की सराहना की। प्रभारी सचिव ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकान एवं आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

ग्राम झलारिया पहुंचने पर प्रभारी सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले का स्वागत ग्रामीण महिलाओं ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपरा के अनुसार पारंपरिक गीतों और तिलक लगाकर किया। इसके पश्चात प्रभारी सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने प्रधानमंत्री आवास योजना की लाभार्थी श्रीमती मानकी देवी से मुलाकात की और उनके पुराने एवं वर्तमान आवास अनुभवों पर चर्चा की। उन्होंने नए घर में जीवन स्तर में आए बदलावों की जानकारी ली और उनके आवास का अवलोकन किया। इस अवसर पर प्रभारी सचिव ने उनके आंगन में च्च्एक पेड़ माँ के नामज्ज अभियान के तहत आम का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण और भावनात्मक जुड़ाव का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि माँ के नाम पर रोपा गया पौधा सिर्फ हरियाली नहीं, बल्कि स्नेह, स्मृति और संस्कृति का प्रतीक है। इसके साथ ही च्च्मोर गांव मोर पानीज्ज अभियान के तहत मनाए जा रहे जल संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत उन्होंने श्रीमती मानकी देवी के ही आवास परिसर में सोख्ता गड्ढा निर्माण कार्य में श्रमदान कर सहभागिता दिखाई और जल संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया च्च्पानी बचाने की जिम्मेदारी केवल शासन की नहीं, समाज की भी है। जब गांव जागरूक होंगे, तभी जल का भविष्य सुरक्षित होगा।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव ने श्रीमती फूलमती कुमरिया के निवास पर पहुंचकर उनके टमाटर की फसल का अवलोकन किया। श्रीमती फूलमती ने स्व-सहायता समूह से लोन लेकर १ एकड़ भूमि में टमाटर की खेती की है। श्रीमती फूलमती ने बताया कि वह अब तक उन्हें ७० हजार का टमाटर का विक्रय कर चुकी है और लगभग उतनी ही फसल उनके खेत में लगी हुई है। उन्होंने बताया कि वे अब लगातार खेती में नवाचार के साथ मेहनत कर रही हैं और आने वाले समय में च्च्लखपति दीदीज्ज की श्रेणी में शामिल होने का लक्ष्य रखती हैं। श्रीमती फूलमती ने आभार स्वरूप टमाटर से भरी टोकरी प्रभारी सचिव को भेंट की। यह भावनात्मक क्षण ग्रामीण आत्मीयता का प्रतीक रहा। श्रीमती कंगाले ने उनकी सराहना करते हुए कहा कि च्च्फूलमती जैसी महिलाएं स्वावलंबन की मिसाल हैं, वे केवल अपने परिवार के लिए नहीं, पूरे गांव के लिए प्रेरणा बन रही हैं।

पीडीएस और आंगनबाड़ी केंद्र का लिया जायजा

प्रभारी सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने ग्राम झलरिया में सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत संचालित उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण कर संधारित पंजी, भंडारण व्यवस्था, वितरण प्रक्रिया तथा हितग्राहियों की संतुष्टि की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी हितग्राही राशन से वंचित न रहे, यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके पश्चात उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र का भी अवलोकन किया। उन्होंने पूरक पोषण आहार की उपलब्धता, बच्चों की उपस्थिति, टीकाकरण, वजन जांच एवं साफ-सफाई की स्थिति की जानकारी ली। प्रभारी सचिव ने कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि गर्भवती महिलाओं और बच्चों की देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और नियमित निगरानी रखी जाए।

इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, जनपद पंचायत सीईओ, स्व-सहायता समूह की महिलाएं एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

छोटी खबरें

नशे का जाल फैलाने वालों को नहीं बख्शा कोर्ट ने, दोनों आरोपियों को हुई सख्त सजा

कोरबा अम्बिकावाणी - नशे में उपयोग होने वाले प्रतिबंधित इंजेक्शन की अवैध बिक्री में लिप्त दो आरोपियों को न्यायालय ने दोषी करार देते हुए ५-५ वर्ष के सश्रम कारावास एवं ५० हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड अदा नहीं करने की स्थिति में दोनों को अतिरिक्त ६ माह का सश्रम कारावास भुगतना होगा। प्रकरण २७ अप्रैल २०२२ का है, जब सीएसईबी पुलिस सहायता केंद्र प्रभारी एसआई नवल साव को सूचना मिली थी कि टी.पी. नगर स्थित नया बस स्टैंड के पास दो युवक नशे के इंजेक्शन बेचने की फिराक में घूम रहे हैं। तत्काल इस सूचना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई और तत्कालीन पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देश तथा थाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रामेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। बस स्टैंड के पास दो युवक संदेहास्पद स्थिति में घूमते मिले, जिनकी तलाशी लेने पर रिडॉफ बैग में रखे गए ४३५ नग पेन्टाजोसीन लैक्टेट इंजेक्शन बरामद हुए। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर धारा २२(बी) नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण की विवेचना पूर्ण कर पुलिस ने मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया। विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट) श्रीमती गरिमा शर्मा की अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी पाते हुए ५ वर्ष के सश्रम कारावास और ५०,००० रुपये के जुमार्ने से दंडित किया।

सड़क से ही शुरू होता है विकास का सफर - शर्मा

सुकमा। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज माओवाद प्रभावित क्षेत्र नियद नेल्लानार योजना की कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में गहन समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में चल रही बुनियादी विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तार से जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में चल रही सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास तभी संभव है जब यहां सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो। उन्होंने कहा कि अच्छी सड़क से ही शासन की योजनाएं सुगमता से गांवों तक पहुंचाई जा सकती हैं, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य विकास कार्यों में गति लाई जा सकती है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र की भौगोलिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सड़क और पुल निर्माण प्राथमिकता में रखा जाए। इससे गांवों का संपर्क सुगम होगा और आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा। उन्होंने संचार सुविधाओं में सुधार को बेहद जरूरी बताते हुए मोबाइल नेटवर्क के विस्तार में तेजी लाने के निर्देश दिए और कहा कि डिजिटल कनेक्टिविटी से शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशासनिक सेवाओं को आम नागरिक तक पहुंचाना आसान होगा। उन्होंने हर घर तक शुद्ध पेयजल और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने और निमार्णाधीन और प्रस्तावित आवासों की स्थिति की जानकारी ली तथा पात्र हितग्राहियों को शीघ्र लाभ प्रदान करने को कहा।

ई-ऑफिस के माध्यम से फाइल को आगे बढ़ाएं विभाग- कलेक्टर

ई-ऑफिस में जाकर कलेक्टर ने डिजिटल हस्ताक्षर कर फाइल में दी स्वीकृति, ई-ऑफिस के अनुदेशों को समझने के दिये निर्देश

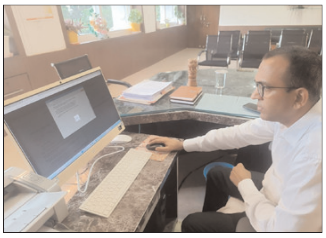

कोरबा अम्बिकावाणी - राज्य शासन के दिए गए निर्देशों के तहत ई-ऑफिस के क्रियान्वयन के संबंध में आज प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कलेक्टोरेट के सभी शाखाओं के कर्मचारियों को ई-ऑफिस के संचालन और किसी फाइल को एक शाखा से दूसरे शाखा में प्रेषित करने, ऑनलाइन नोटशीट बनाने और फाइल अटैचमेंट करने के संबंध में एनआईसी के अधिकारी हेमंत जायसवाल द्वारा पीपीटी तथा पोर्टल में गतिविधियों का संचालन कर बताया गया। इस दौरान कलेक्टर अजीत वसंत ने अपने कार्यालय से डिजिटल हस्ताक्षर कर फाइल की स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने कहा कि राज्य शासन की मंशा के अनुरूप सभी विभाग और शाखा ई-ऑफिस के माध्यम से फाइल आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि किसी भी ऑफिस में फाइल का मूवमेंट समय सीमा में पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित हो। भविष्य में किसी भी कार्यालय के कामकाज को व्यवस्थित ढंग से करने में भी ई ऑफिस की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने शाखा प्रभारी और प्रशिक्षण में शामिल कर्मचारियों से कहा कि ई-ऑफिस के हर अनुदेश को अच्छे से समझते हुए इसका सावधानी से क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे। प्रारंभिक दौर में समझने में भले ही कुछ कठिन लग सकता है लेकिन इसमें कार्य करना आसान है। इसे सीखने के पश्चात कार्य करने में आसानी होगी और शाखाओं से निकलने वाली फाइल, शाखाओं को प्राप्त होने वाली फाइल का ऑनलाइन रिकॉर्ड रहेगा। किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होगी और कांटछांट नहीं हो सकने से हर फाइल में क्लियरिटी और पारदर्शिता होगी। कलेक्टर ने सभी शाखाओं को अच्छे से प्रशिक्षण देने और उन्हें होने वाली कठिनाई को दूर करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर मनोज कुमार बंजारे, डिप्टी कलेक्टर रश्मि वर्मा, माधुरी सोम सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सचिव स्थापना दिवस पर दिखा सेवा का समर्पण, सचिवों ने किया रक्तदान, फल वितरण और वृक्षारोपण

कोरबा अम्बिकावाणी - पंचायत सचिव संघ जिला इकाई कोरबा द्वारा ०७ जुलाई को सचिव स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिले के पंचायत सचिवों ने सेवा और सामाजिक सरोकार को प्राथमिकता देते हुए रक्तदान, फल वितरण एवं वृक्षारोपण जैसे जनहितकारी कार्यक्रमों में सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत संसाधन केंद्र कोरबा में दोपहर १२ बजे से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला सीईओ श्री दिनेश नाग उपस्थित रहे, जिनका स्वागत शाल, श्रीफल और पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में जिला पंचायत परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके पश्चात पंचायत सचिव संघ की ओर से जिला अस्पताल कोरबा में भर्ती मरीजों को फल वितरण किया गया, जिससे मरीजों और उनके परिजनों में प्रसन्नता का माहौल रहा। इसके साथ ही स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें दिलीप कुमार, मोहम्मद हसन, रहीम अली, रविंद्र, कुमार सिंह कंवर सहित लगभग ३० से ४० सचिवों ने रक्तदान कर मानवीय संवेदना का परिचय दिया। इस अवसर पर संघ के जिला अध्यक्ष जयपाल सिंह कंवर, जिला सचिव राजकुमार रजक, ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मद हसन सहित विभिन्न विकासखंडों से पंचायत सचिवों ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज की। सचिवों की अनुशासन, सेवा और सहभागिता ने आयोजन को प्रेरणादायक और सफल बनाया। संघ की कार्यकारिणी में अध्यक्ष मोहन चंद्र कौशिक, उपाध्यक्ष विशोक सिदार, मुखी सिंह कंवर, हरिशंकर पटेल, महामंत्री धर्मराज मरकाम, पुनीदास मानिकपुरी, संतलाल कैवर्त, विरेन्द्र सिंह कंवर, सह-सचिव कलेश्वर अहीर, कोषाध्यक्ष हरि सिंह कंवर, कार्यालयीन सचिव मेहंदी हसन और विजय गुप्ता, प्रवक्ता जितेन्द्र जायसवाल, संतोष दीवान, सुकलाल चौहान, रहीम अली, धनंजय साहू, समार सिंह टेकाम, मीडिया प्रभारी नागेन्द्रधर दीवान, राज नारायणधारी, दिलीप सिंह पुलस्त, विधिक सलाहकार रविशंकर जायसवाल, सुरेशधारी, मनशोधन यादव, अमृत लाल आयाम, छत्तर सिंह जगत, संत कुमार मरकाम, छत्तरपाल सिंह विंध्यराज, कार्यकारिणी सदस्य देवकुमार कामड़े, गंगा साहू, उदय मन्नेवार, बीर सिंह पैकरा, रामखिलावन कश्यप, गनपत टोप्पो, थान सिंह कंवर, तथा आमंत्रित सदस्य मोहम्मद हसन, रामकुमार टेकाम, विजय एक्का और सत्यनारायण पैकरा शामिल रहे। सचिव स्थापना दिवस का यह आयोजन सेवा भावना, सामाजिक जागरूकता और संगठनात्मक एकजुटता का प्रतीक बनकर सामने आया।

कोरोना काल में विधवा हो गई थी बहू का सास-ससुर ने बेटी के रूप में किया कन्यादान

जगदलपुर। हिंदू समाज में मान्यता रही है कि बेटी बाबुल की चौखट से विदा होती है, तो उसकी अर्थी ससुराल से निकलती है। भारतीय समाज में पति के स्वर्गवास के बाद पत्नी को जो वैधव्य का जीवन जीन पड़ता है, उसका अहसास सिर्फ उसी को होता है। देवांगन समाज के सीता-श्यामलाल देवांगन ने अपनी विधवा पुत्रवधू गायत्री का पुनर्विवाह करवाकर सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने की दिशा में भगीरथ प्रयास किया है। नगर में उनके इस कदम की सराहना की जा रही है। देवांगन समाज के वरिष्ठ शासकीय अधिवक्ता सपन देवांगन ने बताया कि श्यामलाल देवांगन के इकलौते पुत्र पारस देवांगन का विवाह रायगढ़ के चुन्नी हरिलाल देवांगन की पुत्री गायत्री के साथ हुआ था। कोरोना काल में पारस की मौत हो गई और गायत्री विधवा हो गई। सीता-श्यामलाल देवांगन जब भी घर में अपने पुत्र की तस्वीर व उसकी विधवा पत्नी को देखते, तो उनकी आंखें भर आती थीं। विधवा गायत्री सास-ससुर की सेवा में लीन थी। उसकी हर संभव कोशिश थी कि सास-ससुर को बेटे के जाने के सदमे से वह उबार ले। गायत्री ने बेटी की तरह दोनों की सेवा की। इस बीच सीता-श्यामलाल देवांगन ने ठान लिया कि पुत्रवधू का जीवन वैधव्य में नष्ट नहीं होने देंगे। उन्होंने बहू को बेटी समझ कन्या-दान का निश्चय किया। उन्होंने उसके लिए रिश्ता तलाशना शुरू किया, समाज के शिक्षित युवक आशीष ने गायत्री का हाथ थामने पर सहमति दी। सामाजिक रीति-रिवाज से उसका विवाह आशीष से कर सास-ससुर ने अश्रुपूरित आंखों से बहू रूपी बेटी का कन्या-दान कर उसे अपनी दहलीज से विदा किया। बहू के विवाह समारोह में देवांगन परिवार ने अपने सगे-संबंधी और समाज के लोगों को आमंत्रित किया। दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देने पहुंचे लोगों से उन्होंने उपहार में केवल एक रुपये ही स्वीकार किया। इस अनुकरणीय पहल की चारों ओर चर्चा के साथ सराहना हो रही है।

पाली ब्लॉक में बाढ़ से घिरे 17 ग्रामीणों और 8 बकरियों का रेस्क्यू, 10 घंटे बाद लौटी जिंदगी की रौशनी, प्रशासनिक टीम बनी फरिश्ता, बच्चों-बुजुर्गों संग पशुधन को भी मिली नई जिंदगी

कोरबा अम्बिकावाणी - पाली ब्लॉक के ग्राम ढुकुपथरा और पोंडी के लब्दापारा में रविवार को मूसलधार बारिश के बाद आए जलसैलाब ने १७ ग्रामीणों को अपने घेरे में ले लिया। इनमें छोटे मासूम बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल थे, जो खेतों में काम करने के दौरान फंस गए। जलभराव इतना अधिक था कि नाले-नदियों में अचानक उफान आ गया और सभी ग्रामीण खेतों में ही फंसे रह गए। खास बात यह रही कि ग्रामीणों के साथ उनकी ८ बकरियां भी उसी पानी में फंसी थीं। इंसानों के साथ-साथ जानवरों की जान बचाने का जो मानवीय कार्य इस रेस्क्यू ऑपरेशन में हुआ, उसने प्रशासन की संवेदनशीलता और तत्परता को दशार्या।

रातभर चला रेस्क्यू, मिली राहत की सांस - सूचना मिलते ही कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देश पर पाली तहसीलदार सूर्य प्रकाश केशकर के नेतृत्व में राजस्व विभाग, थाना पाली, जिला आपदा प्रबंधन नगर सेना कोरबा और राज्य आपदा बचाव दल बिलासपुर की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन रातभर चला और सोमवार तड़के ३ बजे सभी ग्रामीणों और बकरियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

जानवरों को भी बचाया, छुआ दिल - बाढ़ में फंसी बकरियों को भी सुरक्षित निकालने के लिए जवानों ने कीचड़ और पानी के बीच जोखिम उठाया। ग्रामीणों ने भावुक होकर कहा– ₹हमने उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन प्रशासनिक टीम ने हमारी और हमारे मवेशियों की जान बचाकर हमारे लिए देवदूत बनकर काम किया है।₹

चेतावनी के बाद भी अनदेखी
प्रशासन ने पहले ही अलर्ट जारी कर ग्रामीणों को सावधानी बरतने को कहा था। बावजूद इसके लोग खेती के काम से खेतों की ओर निकल गए, जो इस घटना की प्रमुख वजह बना।

भविष्य के लिए सबक
हालांकि इस बार किसी की जान नहीं गई, लेकिन यह घटना एक बड़ा संदेश छोड़ती है–प्राकृतिक आपदा में समझदारी और सतर्कता ही जीवन रक्षा का मूल मंत्र है। प्रशासन ने पुनः ग्रामीणों से अपील की है कि बारिश के पूरे मौसम तक सतर्क रहें और चेतावनी को हल्के में न लें।

बिहान योजना - महिलाओं ने थामी खेती और पशुपालन की कमान

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। कृषि सखियों के माध्यम से गांव-गांव में किसान पाठशालाएं संचालित की जा रही हैं, जहां जैविक खेती को प्रोत्साहित करते हुए निम्बास्त्र, ब्रह्मास्त्र, अग्निअस्त्र और जीवामृत जैसी जैविक दवाइयों के निर्माण की विधि स्थानीय संसाधनों से सिखाई जा रही है।

कीटनाशक जहरीली दवाओं और जैविक उपायों में अंतर समझाते हुए महिला किसान घरों में स्वयं जैविक दवाइयों का निर्माण करने लगी हैं। बीजोपचार, थरहा तैयार करना और लाइन विधि से रोपाई जैसे तकनीकी उपायों से किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन की राह दिखाई जा रही है। वर्षा ऋतु में सब्जी उत्पादन को प्रोत्साहन देते हुए मचान विधि को अपनाने पर जोर दिया जा रहा है, जिसमें भरतपुर विकासखंड की महिलाएं स्थानीय संसाधनों से खड़ा मचान और छतनुमा मचान तैयार कर रही हैं। मचान विधि से सब्जी उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ छिड़काव और तुड़ाई की प्रक्रिया भी आसान हो रही है। गांवों में स्थानीय महिला कृषि सखियों को प्रशिक्षण देकर इन्हें जिम्मेदारी सौंपी गई है और विभाग द्वारा इनकी नियमित निगरानी की जा रही है। इसी तरह पशु सखियों के द्वारा पशुधन संरक्षण की दिशा में भी प्रभावशाली कार्य किए जा रहे हैं। वर्षा ऋतु में पशुओं को बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है जिसमें पशु सखी अर्चना सिंह और अन्य 6 महिला सखियों ने अब तक 1 हजार से अधिक बकरों और बकरियों का टीकाकरण किया है एवं मुर्गियों को भी आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं। महिलाओं को रिसोर्स पर्सन के रूप में तैयार कर विभागीय गतिविधियों के साथ जोड़ना ग्रामीण विकास की दिशा में एक सार्थक और सफल प्रयास सिद्ध हो रहा है।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-............/अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक संजय मित्तल आ० सत्य नारायण, जाति- अग्रवाल, निवासी अग्रसेन वार्ड, खरसिया रोड, अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के द्वारा अनावेदक राजकुमार बंसल आ० श्री राम अग्रवाल, जाति जयस्तंभ चौक, अम्बिकापुर के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, शीट नं. 09 मोहल्ला-शीतला वार्ड स्थित नजूल प्लॉट नं. 3285/3, 3288/2, 3288/3 कुल रकबा क्रमशः 0.001 हे०, 0.007 हे०, 180 वर्गफीट कुल 1051.2 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 14.05.2025 के माध्यम से क्रय किया गया है।

अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख से अनावेदक का नाम विलोपित कराते हुये आवेदक द्वारा स्वंय का नाम दर्ज कराने हेतु विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व सहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 16/07/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/06/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-............/अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक मनोज कुमार अग्रवाल आ० ओमप्रकाश अग्रवाल, जाति- अग्रवाल, निवासी अलकनंदा कॉम्पलेक्स के पास, अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है. कि आवेदक के द्वारा अनावेदिका श्रीमती गीता बचानी पत्नि ब्रम्हानंद बचानी, जाति सिंधी, निवासी सिंधी कॉलोनी, अम्बिकापुर के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, शीट नं. 09 मोहल्ला-बाबूपारा स्थित नजूल प्लॉट नं. 3467/4866/179 में से रकबा 1680 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 14.05.2025 के माध्यम से क्रय किया गया है।

अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख से अनावेदिका का नाम विलोपित कराते हुये आवेदक द्वारा स्वंय का नाम दर्ज कराने हेतु विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 16/07/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/06/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार, अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

//ईश्तहार//

रा०प्र०क्र० 202507021700012/ /ब-121/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका बेबी हालदार आ० रमेशचन्द्र राय, निवासी ग्राम डिगमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम चठिरमा स्थित भूमि खसरा नंबर 388/4 रकबा 0.190 हे० में से रकबा 0.070 हे० भूमि निजी कार्यों, पुत्र के विवाह एवं मकान बनाने हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक मुकेश उपाध्याय आ० रामवृक्ष उपाध्याय, निवासी ग्राम बेतो, तहसील वाड्रफनगर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) को रू० 13,00,000/-(तेरह लाख रुपये) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 26/07/2025 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 02/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं JAY KUMAR AGRAWAL S/O SANDEEP KUMAR AGRAWAL WARD NO.-12, NEHRU PARK ROAD SURAJPUR, DIST. SURAJPUR (C.G)

यह शपथ करता हूं कि मैंने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम JAY AGRAWAL S/O SANDEEP KUMAR AGRAWAL रख लिया है।

अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम JAY AGRAWAL S/O SANDEEP KUMAR AGRAWAL जाना, पहचाना जावे।

JAY AGRAWAL
S/O - SANDEEP KUMAR AGRAWAL
WARD NO.-12, NEHRU PARK ROAD,
SURAJPUR, DIST.- SURAJPUR (C.G)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0............./अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सरस्वती पटेल पत्नी रामाशंकर जाति कुनबी निवासी सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम सुभाषनगर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 183/25, रकबा 0.014 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 21/07/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202506020700235/

मामले की श्रेणी :- राजस्व
विषय:- अ-6 सन:- 2024-2025
अंबिकापुर प.ह.नं. 00015[4114/2(0.1090 हे0)]
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- युगमेश टेकाम,
अनावेदक पक्षकार- रामखेलावन सिंह,

ईश्तहार

आवेदक युगमेश टेकाम आ० रामखिलावन निवासी ग्राम सिलफिली तहसील लटोरी जिला सूरजपुर छ०ग० के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 4114/2 रकबा 0.109 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृत भूमिस्वामी रामलिखावन का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/07/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 24/06/2025 को जारी किया जाता है।

UMESHWAR SINGH BAJ
तहसीलदार
तहसील, अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./1262/ब-121/2024
30/06/2025

ईश्तहार

आवेदिका का नाम बबली सिंह पति स्व. सुरेश सिंह जाति गोंड निवासी ग्राम रामनगर प.ह.न. तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) ने अपने पति स्व. सुरेश सिंह मृत्यु दिनांक 20/04/2024 का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 15/07/2025 (मंगलवार) को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 30/06/2025 को जारी किया गया।

तहसीलदार
सूरजपुर
जिला सूरजपुर

C M Y K

अम्बिकावाणी

रायपुर, मंगलवार 8 जुलाई , 2025

सम्पादकीय

यदि आप मृत्यु से भयभीत होते हैं तो इसका अर्थ यह है कि आप जीवन का महत्व ही नहीं समझते।
0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

भावपूर्ण स्त्री के तौर पर ममता को कड़े कदम उठाने चाहिए

कोलकाता के विधि महाविद्यालय प्रथम वर्ष की छात्रा के साथ कथित रूप से वरिष्ठ छात्रों द्वारा दुष्कर्म का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। दक्षिण कोलकाता के इस परिसर में वह परीक्षा संबंधी प्रवेशपत्र भरने गई थी। मेडिकल जांच में सामूहिक रेप की पुष्टि होने के साथ ही एक सुरक्षाकर्मी गिरफ्तार किया गया। पीड़िता की शिकायत के अनुसार उसे जबरन यूनियन रूम में रोका गया और पूर्व छात्र व आपराधिक मामलों के वकील ने रेप किया।

दो अन्य छात्रों ने घटना का वीडियो भी बनाया। शिकायतकर्ता ने बताया, दोषी के विवाह प्रस्ताव को वह पूर्व में ठुकरा चुकी थी। अभियुक्तों का संबंध तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद से बताया जा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि शैक्षणिक संस्थाओं में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का दबदबा है। मुख्य आरोपी मनोजित के खिलाफ पहले भी कई विवाद सामने आने के बावजूद उसे कॉलेज में अस्थाई नौकरी मिलने के पीछे राजनीतिक संरक्षण बताया जा रहा है।

भाजपा घटना पर मुख्यमंत्री से इस्तीफा देने की मांग कर रही है जबकि उसे बीएचयू की वह घटना याद रखनी चाहिए जिसमें तमाम दबाव के बाद आरोपियों को पकड़ा गया था। तब सत्ताधारी दल ने किस राजनेता पर कार्रवाई की थी। यह खौफनाक है। विभिन्न घटनाओं के आधार पर कहना अतिश्योक्ति नहीं है कि देश के शिक्षण संस्थान और विश्वविद्यालय छात्राओं के लिए अति असुरक्षित हैं।

तमाम नियमों व कानूनी पाबंदियों के बावजूद सामने आने वाली ये घटनाएं चुनिंदा हैं क्योंकि छात्राएं घबरा जाती हैं क्योंकि उनके शिक्षा ग्रहण करने में अड़ंगे लगने लगते हैं। सवाल छात्राओं का ही नहीं है, महिलाओं/बच्चियों की सुरक्षा को लेकर सरकारी व प्रशासनिक ढुलमुल रवैया बदल क्यों नहीं रहा।

महिलाओं के प्रति अपराध थामने के लिए किए जाने वाले प्रचार, आयोग व दीवारों पर लिखे स्लोगन काफी नहीं कहे जा सकते। राजनीति को शिक्षा से दूर रखने की बात दशकों से होती रही है। उस पर राजनेताओं के अनर्गल बयानों से पीड़िता व उसके परिवार-परिचितों को होने वाले मानसिक कष्ट की भरपाई कैसे हो सकती है।

कोलकाता के मेडीकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के जघन्य रेप/हत्या के जख्म अभी ज्यों-के-त्यों हैं। ममता बनर्जी को राजनीति को हाशिए में ढकेलते हुए भावपूर्ण स्त्री के तौर पर कड़े कदम उठाने से चूकना नहीं चाहिए।

पर्यावरण के रचनात्मक प्रशासन के जरिए सतत हरित बदलाव

भूपेंद्र यादव

पर्यावरण कुजनेट्स वक्र (एनवायरनमेंट कुजनेट्स कर्व) से हासिल पर्यावरण के प्रशासन से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान यह मानता है कि देश पहले विकास करते हैं और बाद में सफाई में जुटते हैं। यह अनुभवजन्य अंतर्दृष्टि अब विकसित हो चुके उन देशों के अनुभवों से प्रेरित है, जिन्होंने विकास की प्रक्रिया में संसाधन संबंधी जरूरतों को पूरा करने हेतु देश और विदेश में प्राकृतिक पर्यावरण का दोहन किया। लेकिन ऐसी सुविधा भारत जैसे देशों को नसीब नहीं है, जिन्हें अपनी विशाल आबादी की विकास संबंधी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अभी भी तेज गति से विकास करने की जरूरत है।

जब 2014 में एनडीए सत्ता में आई, तो चुनौती हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मूल सिद्धांतों - सुधार, प्रदर्शन और बदलाव - पर आधारित विकास एवं प्रगति को गति देने की थी। इन सिद्धांतों में जरूरत के हिसाब से पर्यावरण की सुरक्षा के सख्त उपायों से समझौता किए बिना 'व्यवसाय करने में आसानीइ की सुविधा प्रदान करते हुए तेजी गति से विकास करना शामिल था। आज 2025 में, हम न सिर्फ इस चुनौती से निपट पाने में सफल रहे हैं बल्कि हमने शासन का एक ऐसा मॉडल तैयार किया है जिसे सारी दुनिया ने माना है। प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण बिल्कुल साफ था: इस प्रणाली को एक ऐसी प्रणाली में बदला जाए जो इकोलॉजी और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए फायदेमंद हो।

वर्ष 2014 में 'स्वच्छ भारत मिशनइ की शुरूआत हमारी पहली बड़ी पहल थी। यह पहल स्वच्छता से आगे बढ़कर कचरे के प्रबंधन व पर्यावरण के संरक्षण के लिए एक व्यापक ढांचा स्थापित करने तक जा पहुंची। इस मिशन ने पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं को सामाजिक विकास के साथ जोड ? की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्या। इस मिशन को सभी नागरिकों को शामिल करते हुए एक जन आंदोलन के रूप में शुरू किया गया था और एक स्वच्छ एवं संसाधन के मामले में अपेक्षाकृत अधिक कुशल भारत की चाहत को आगे बढ़ाया गया था। विभिन्न शहरों में नागरिकों को पारदर्शी तरीके से वास्तविक समय में वायु की गुणवत्ता की निगरानी से जुड़ी सुविधा प्रदान करने के तुरंत बाद राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक का शुभारंभ किया गया। वर्ष 2014 में शुरू की गई 'मेक इन इंडियाइ पहल में भी कड़े पर्यावरण अनुपालन मानकों को शामिल किया गया। इससे यह साबित हुआ कि हम इकोलॉजी की स्थिरता को बनाए रखते हुए मैन्यूफैक्चरिंग को अपेक्षाकृत बड़े पैमाने पर और तेज गति से बढ़ावा दे सकते हैं। ऊर्जा संबंधी दक्षता को बढ़ावा देने और ऊर्जा पर आधारित अधिक संख्या में उद्योगों को शामिल करने के उद्देश्य से 2015 में प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना का विस्तार किया गया। इससे ऊर्जा संबंधी दक्षता के लिए एक बाजार-आधारित तंत्र का निर्माण हुआ।

कचरे के कारगर प्रबंधन, संसाधन संबंधी दक्षता में बढ़ोतरी और चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2016 से कचरे के प्रबंधन के सभी प्रमुख नियमों को नियमित रूप से अद्यतन किया जा रहा है। इस दृष्टिकोण का बुनियादी सिद्धांत बाजार आधारित तंत्र और प्रदूषक द्वारा भुगतान के सिद्धांत पर आधारित विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व से जुड़े ढांचे पर निर्भरता में निहित है। प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम, ई-कचरा प्रबंधन नियम तथा टायर, बैटरी एवं प्रयुक्त तेल अपशिष्ट प्रबंधन नियम आदि इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर तैयार किए गए थे। इससे एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण हुआ, जिसके तहत विभिन्न सामग्रियों के लगभग 4,000 पुनर्चक्रणकताओं को पंजीकृत पुनर्चक्रणकताओं के रूप में अनौपचारिक क्षेत्र से हटाकर औपचारिक क्षेत्र में लाया गया है। इस कदम से वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 1600 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। वर्ष 2022 में शुरू किए गए विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) पोर्टल चक्रीय अर्थव्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कुल 61,055 उत्पादकों ने प्लास्टिक पैकेजिंग, ई-कचरा, बेकार टायर, बैटरी के कचरे और प्रयुक्त तेल के क्षेत्र में काम करने हेतु ईपीआर पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। अपशिष्ट नियम, 2022 के प्रकाशन और ईपीआर पोर्टल की शुरूआत के बाद, शोधित अपशिष्ट की मात्रा वित्तीय वर्ष 2024-25 में इन नियमों के प्रकाशन से पहले 3.6 एमएमटी प्रति वर्ष की तुलना में बढ़कर 127.48 एमएमटी प्रति वर्ष हो गई है। यह सभी हितधारकों के सहयोग एवं समर्थन से संभव हुआ है।

प्रक्रियागत देरी में कमी लाने और एक व्यापक पर्यावरणीय मूल्यांकन करने के उद्देश्य से 2018 में 'परिवेशइ (प्रो-एक्टिव एंड रिस्पॉन्सिव फैसिलिटेशन बाई इंटरएक्टिव, वर्चुअस एंड एनवायरनमेंटल सिंगल-विंडो हब) नाम के एक ऑनलाइन आईटी टूल का शुभारंभ किया गया। प्रधानमंत्री मोदी के 'डिजिटल इंडियाइ के विजन को साकार करते हुए, इस डिजिटल प्लेटफॉर्म ने व्यवसाय जगत और पर्यावरण नियामकों के बीच के संवाद में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है। 'परिवेशइ ने पर्यावरण संबंधी मंजूरी की बोझिल एवं कागज-आधारित प्रक्रिया को एक सुव्यवस्थित एवं मजबूत डिजिटल अनुभव में बदल दिया है। इस दृष्टिकोण ने जहां पर्यावरण से जुड़े सख्त मूल्यांकन को बनाए रखा है, वहीं इस प्रक्रिया में लगने वाले समय में काफी कमी ला दी है और पारदर्शिता को बढ़ाया है। वर्ष 2019 में शहरों पर केन्द्रित कार्य योजनाओं से लैस 'राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रमइ (एनसीएपी) के आधिकारिक शुभारंभ ने हमें नीति निमार्ता एवं नियामक से बदलकर अमल करने वाला बना दिया है। एनसीएपी का लक्ष्य 2025-26 तक पीएम10 सांद्रता में 40 प्रतिशत की कमी लाना या आधार वर्ष 2017-18 की तुलना में 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर के राष्ट्रीय मानक को हासिल करना है। एनसीएपी के साथ-साथ सीपीसीबी ने एनसीएपी के तहत आने वाले 131 शहरों में वायु की गुणवत्ता के रुझान की बारीकी से निगरानी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे वायु की गुणवत्ता निरंतर बेहतर हुई है।

परिवर्तनको समर्थ बनाना: महिला एवं बाल विकास में तकनीकी परिवर्तन का एक दशक

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

सशक्तिकरण की शुरूआत पहुँच-अधिकारों, सेवाओं, सुरक्षा और अवसरों तक पहुँचसे होती है । बीते दशक में, अधिक समावेशी और डिजिटल रूप से सशक्त भारत का निर्माण करने पर केंद्रित मोदी सरकार की प्रतिबद्धता के माध्यम से इस पहुँच को नए सिरे से परिभाषित किया गया है और सभी के लिए सुलभ बनाया गया है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय इस परिवर्तन में सबसे अग्रणी रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत झ्2047के विजन से निर्देशित, मंत्रालय ने लाभ को अंतिम छोर तक त्वनरित, पारदर्शी और कुशल तरीके से पहुँचाना सुनिश्चितकरने के लिए अपने कार्यक्रमों में प्रौद्योगिकी कोव्यवस्थित रूप से एकीकृत किया है।

हम अक्सर कहते हैं: सशक्त महिलाएँ, सशक्त भारत। और सशक्तिकरण की शुरूआत पहुँच - अधिकारों, सेवाओं, सुरक्षा और अवसरों तक पहुँच से होनी चाहिए । आज, यह पहुँच तेजी से डिजिटल होती जा रही है । जो कभी आकांक्षापूर्ण था, वह अब क्रियाशील बन चुका है-ऐसा सरकार द्वारा डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, रियल-टाइम डेटा सिस्टम और उत्तरदायी शासन पर जोर दिए जाने की बदौलत संभव हुआ है ।

मंत्रालय नेदेखरेख, संरक्षण और सशक्तीकरण पर दृढ़ता से ध्यान केंद्रित करते हुए -पोषण, शिक्षा, कानूनी सुरक्षा और आवश्यक अधिकारों तक पहुँच को मजबूत किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं और बच्चे न केवल अधिक स्वस्थ, अधिक सुरक्षित जीवन जी सकें, बल्कि वे आत्मविश्वासी नेतृत्व कर्ता औरअमृत काल के परिवर्तनकर्ता के रूप में भी उभर सकें। जैसा कि प्रधानमंत्री ने बहुत सटीक रूप से कहा है, मैं प्रौद्योगिकी को सशक्त बनाने के साधन के रूप में तथाआशा और अवसर के बीच की दूरी को पाटने वालेउपकरण के रूप में देखता हूँ । इस लोकाचार ने मैनुअल प्रक्रियाओं से लेकर रियल-टाइम डैशबोर्ड तक, असंबद्ध योजनाओं से लेकर एकीकृत प्लेटफार्मों तक हमारे परिवर्तन का मार्गदर्शन किया है । इस परिवर्तन की आधारशिला सक्षम आंगनवाड़ी पहल है ।भारत भर में 2 लाख से ज्यादा आंगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक और सशक्त बनाने के लिए निरुपित यह कार्यक्रम बाल्या वस्थाव देखरेख और विकास की अगली पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करता है । पोषण, स्वास्थ्य सेवा और पूर्व-विद्यालयी शिक्षा सेवाओं की ज्यादा प्रभावी प्रदायगी संभवबनाते हुए इन केंद्रों कोस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल डिवाइस और नए-नए लर्निंग टूल्स के साथ अपग्रेड किया जा रहा है । देश भर में 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं को पोषण ट्रैकर के साथ एकीकृत करने से रियल-टाइम डेटा एंट्री, कार्य निष्पोदन की निगरानी और साक्ष्य-आधारित नीतिगत हस्तक्षेप संभव हो पाया है। आंगनवाड़ी कार्यकताओं को स्मार्टफोन और व्यापक प्रशिक्षण से लैस करके, यह पहल अंतिम छोर तक गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदायगी सुनिश्चित करती है । यह 2014 से पहले मौजूद मैनुअल रिकॉर्ड-कीपिंग और डेटा ब्लाइंड स्पॉट से एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक है। एक दशक पहले, आईसीडीएस प्रणाली असंबद्ध डेटा, विलंबित प्रतिक्रियाओं और रियल-टाइम ट्रैकिंग की कमी से दबी हुई थी। पोषण ट्रैकर ने - पोषण सेवा प्रदायगी में सटीकता, दक्षता और जवाबदेही की शुरूआत कर इस परिदृश्य को बदल दिया है ।10.14 करोड़ से ज्यादा लाभार्थी अब इस प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत हैं- जिनमें गर्भवती महिलाएँ, स्तनपान कराने वाली माताएँ, छह साल से कम उम्र के बच्चे और किशोरियाँ शामिल हैं। यह प्लेलटफॉर्म विकास की निगरानी और पूरक पोषण प्रदायगी पर रियल-टाइम अपडेट को सक्षम बनाते हुए समय पर हस्तक्षेप और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण सुनिश्चित करता है । डिजिटल रूप से सशक्त सामुदायिक केंद्रों के रूप में आंगनवाड़ी केंद्रों कीनए सिरे से परिकल्पना कर,शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाटते हुए- पोषण ट्रैकर महत्वपूर्ण रूप से स्वस्थ भारत, सुपोषित भारत के राष्ट्रीय विजन को आगे बढ़ा रहा है । लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार (2025) से सम्मानित यह मंच 'पोषण भी पढाई भीइ का भी समर्थन करता है, जो प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के लिए आंगनवाड़ी कार्यकताओं को डिजिटल प्रशिक्षण मॉड्यूल प्रदान करते हुए विकसित भारत के अमृत काल में समग्र देखभाल को बढ़ावा दे रहा है। पूरक पोषण कार्यक्रम (एसएनपी) में पारदर्शिता को और मजबूत करने तथालीकेज कम करनेके लिएएक फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम शुरू किया गया है । इस डिलिवरी तंत्र को सुरक्षित, सटीक और सम्मानजनक बनाते हुए यह सुनिश्चित करता है कि पोषण सहायता केवल पात्र लाभार्थियों को ही मिले। प्रौद्योगिकी-आधारित प्लेटफॉर्म के माध्यम से यहमंत्रालय पोषण से बढ़कर,महिलाओं के लिए सुरक्षा और सहायता सुनिश्चित कर रहा है। शी-बॉक्स पोर्टल हर महिला को, चाहे वह किसी भी रोजगार की स्थिति में हो या संगठित या असंगठित, निजी या सार्वजनिक क्षेत्र में काम करती हो, पॉशअधिनियम के तहत उसे शिकायत दर्ज कराने के लिए सिंगल-विंडो एक्सेस प्रदान करता है - जिससे ऑनलाइन निवारण और ट्रैकिंग संभव हो पाती है । इस बीच, मिशन शक्ति डैशबोर्ड एंड मोबाइल ऐप संकट से घिरी महिलाओं को एकीकृत सहायता प्रदान करता है, उन्हें निकटतम वन स्टॉप सेंटर से जोड़ता है - जो अब लगभग हर जिले में चालू है । ये कदम इस बात का उदाहरण हैं कि तकनीक का उपयोग न केवल दक्षता के लिए, बल्कि न्याय, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए भी किया जा रहा है। एक दशक पहले, मातृत्व लाभ की निगरानी करना मुश्किल था और इसमें देरी होती थी। मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई)की शुरूआत की है - जो मातृ कल्याण की दिशा मेंबहुत बड़ा बदलाव है। पीएमएमवीवाई नियम, 2022 के तहत, गर्भवती महिलाओं को उनके पहले बच्चे के लिए 5,000 रुपये की राशि मिलती है ।

विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास बढ़ा

विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की अपनी अपनी विशेषताएं हैं, जिसके आधार पर यह अर्थव्यवस्थाएं विश्व में उच्च स्थान पर पहुंची हैं एवं इस स्थान पर बनी हुई हैं। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज भी कई विकसित देश भारत से आगे हैं। इन समस्त देशों के बीच चूंकि भारत की आबादी सबसे अधिक अर्थात 140 करोड़ नागरिकों से अधिक है, इसलिए भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बहुत कम है ।

भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है तथा प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद केवल 2,880 अमेरिकी डॉलर है। भारत के पीछे आने वाले देशों में हालांकि सकल घरेलू उत्पाद का आकार कम जरूर है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में यह देश भारत से बहुत आगे हैं। जैसे जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.18 लाख करोड़ है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 33,960 अमेरिकी डॉलर है।

ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.84 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 54,950 अमेरिकी डॉलर है। फ्रांस के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 46,390 अमेरिकी डॉलर है। इटली के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 41,090 अमेरिकी डॉलर है। कनाडा के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 53,560 अमेरिकी डॉलर है।

ब्राजील के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.13 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 9,960 अमेरिकी डॉलर है। सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व की सबसे बड़ी 10 अर्थव्यवस्थाओं में भारत शामिल होकर चौथे स्थान पहुंच जरूर गया है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत इन सभी अर्थव्यवस्थाओं से अभी भी बहुत पीछे है। इस सबके पीछे सबसे बड़े कारणों में शामिल है भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात, आर्थिक विकास की दौड़ में बहुत अधिक देर के बाद शामिल होना। भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों की शुरू आत वर्ष 1991 में प्रारम्भ जरूर हुई परंतु इसमें इस क्षेत्र में तेजी से कार्य वर्ष 2014 के बाद ही प्रारम्भ हो सका है। इसके बाद, पिछले 11 वर्षों में परिणाम हमारे सामने हैं और भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था से छलांग लगते हुए आज 4थी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। दूसरे, इन देशों की तुलना में भारत की जनसंख्या का बहुत अधिक होना, जिसके चलते सकल घरेलू उत्पाद का आकार तो लगातार बढ़ रहा है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अभी भी अत्यधिक दबाव में है।

0 प्रह्लाद सबानानी

अम्किावाणी-वर्गपहेली 1366

1	2	3		4	5		
6				7			8
						9	
10	11		12				
13			14				
	15				16		17
18			19			20	
21					22		

संकेतः बाएं से दाएं

1. इस भारतीय भौतिक वैज्ञानिक ने 12 अगस्त को जन्म लिया था (7)
6. दुर्भाग्य, दुर्दशा, संकट (3)
7. एक प्रकार का फल जो भगवान के भोग निमित्त चढ़ाया जाता है, कदली (2)
9. तिब्बत के बौद्धों के धर्माचार्य, घास खाने ओर पागुर करने वाला एक जंतु जो ऊंट जैसा होता है (2)
10. मुशी, लिखने वाला, लेखक (3)
12. एक प्रकार का मंगल वाद्य, नफीरी (4)
13. एक सर्वनाम जिसका प्रयोग वक्ता ओर श्रोता के अतिरिक्त निकटवर्ती सभी संज्ञाओं या बातों के लिए होता है (2)
14. इस देश को म्यांमार कहा जाता है (2)
15. राजा के लिए प्रयुक्त शब्द (3)
19. यह एक दिवंगत पूर्व में दस्यु रह चुकी थीं (5)
21. उथल-पुथल, भागदौड़, संचलन (4)
22. विविध, एक रिश्ता, मातामह (2)

ऊपर से नीचे

1. महाकाय, भीम, गजकाय (5)
2. तारतम्य, रूटीन, विन्यास, करीना (2)
3. स्वार्थ, खुदगर्जी, प्रयोजन (4)
4. भारत का प्रथम अंतरिक्ष यात्री (5)
5. बरछा, बल्लम, नेजा, पाषाणी (2)
8. श्रमादि करके कमाया हुआ धन (3)
9. उपस्थित करना, ले आना, लिवाना (2)
11. तिगुना, तीन बार उतना ही (3)
14. जंगली मेवा (4)
16. निर्मित होना, निर्माण होना, पनपना (3)
17. यह उत्तर भारत में बहने वाली महत्वपूर्ण नदी है इसका पौराणिक नाम परूष्णी है (2)
18. एक प्रशंसासूचक शब्द (2)
20. प्रदत्त करना, प्रदान करना (2)

वर्ग पहेली 1365 का हल

खु	दी	रा	म	बो	स		रा
द	म	न	शी	ल		व्यो	म
	क		न	चा	ना		च
ता		ब	ग	ल		वा	रि
क	न्या	दा	न		आ	द	त
त	य			मा	शा		मा
	क	मा	ल		ती	ज	न
क	र्ता		ब	हु	त		स

एकदा

भारत का आम नवाबी, जुनून का प्रतीक रहा है जो इसे खास बनाता है

सन 1811में पुर्तगाली कमांडर अल्फांसो ने आम की एक किस्म रत्नागिरी जिले के जंगलों देखी और उसने उस आम के किस्म क्राफ्टिंग की तो जो आम पेड़ पर लगा उसे अल्फांसो नाम दिया गया। अंतराष्ट्रीय मार्केट में इस आम की कीमत 3000रुपए प्रति किलो तक बिकती है। लेकिन भारत में आम की उपस्थिति 6000 साल से है क्योंकि महाभारत काल में इसका उल्लेख है। बताया जाता है कि ईसा से 600 वर्ष पहले भगवान बुद्ध को एक युवती ने आम का बगीचा भेंट किया था और बुद्ध ने उसे आम्रपाली नाम दिया ।मुगल शासन में अबु फसल ने लिखा था कि सलीम लंगड़े पर मत रो वह भी खास होकर आम है। इस तरह लंगड़ा भी आम की एक किस्म है ।इंस्टीट्यूट ऑफ पाइलियों बॉटनी लखनऊ के प्रोफेसर पंत कहते हैं कि भारत में आम की उत्पत्ति का इतिहास बहुत पुराना है लेकिन मुगल शासन में आम को खूब संरक्षण मिला । उत्तर प्रदेश का मलीहाबादी , लखनवी, बनारसी, आम सुप्रसिद्ध है। दशहरी गांव से चला आम आज पूरे भारत का सबसे अधिक उत्पादन वाली आम की किस्म है। भारत में टोटपरी, दशहरी,लंगड़ा, केसर,बादाम,फाजली और मुगल बादशाह हुमायूं का चौसा, सफेदा, अल्फांसो, हापुश,सहित किस्मों के आम पाए जाते हैं ।आम से आमरस, आमचूर, मांगोसेक, आम पापड़ बनाए जाते हैं ।आम का आचार इस पद्धति का उपयोग सारे भारत में किया जाता है।

0 अजय दीक्षित

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

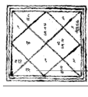

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14.04 तक- अमृत
20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आप बिजनेस को बड़ा बनाने का प्रयास करेंगें, जिसमें आपको बढ़िया धन लाभ होगा। आज महिलाओं को खुद के लिए समय मिलेगा, जिससे वो पसंद का काम कर पाएंगी। छात्रों के लिए आज अच्छा दिन है ,

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। आज आपके वो सारे काम बनेगे जिनके लिए आप इतने दिनों से परेशान थे। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में सुधार होगा , माता - पिता के आशीर्वाद से सब ठीक होगा। वकीलों के लिए आज अच्छा दिन है ,

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको व्यापार में बढि ?ा धन लाभ होगा , लेकिन परिश्रम की अधिकता रहेगी। आज आप किसी सामाजिक समारोह में शामिल होंगे। छात्रों को आज अपने सहपाठी का सहयोग मिलेगा,

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करने का प्लान बना सकते है, आज आपको बढ़िया डील मिलने की संभावना है। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगें ,

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। कंस्ट्रक्शन का काम करने वालों को आज बड़ा ऑफर मिलने वाला है। आज आप भौतिक सामान की खरीदारी करने जा सकते है। शादीशुदा रिश्तों में सुधार होगा , जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आज बच्चे किसी बात को लेकर जिद कर सकते है ,

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए लाभप्रद रहेगा। रोजगार की तलाश कर रहे व्यक्तियों के लिए आज नए मार्ग प्रशस्त होंगें , जिससे उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आपको व्यापार में बड़ा धन लाभ होगा, जिससे आपको भौतिक सुख की प्राप्ति होगी। अविवाहित व्यक्तियों को आज, विवाह के लिए अच्छा रिश्ता आएगा, जिन लोगों को अच्छे घर फ्लैट की तलाश थी,

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आप टीवी डिबेट में बहुत अच्छे से परफोर्म करेंगे, विरोधियों को अपने सामने टिकने नहीं देंगे। नौकरी का इंतजार कर रहे व्यक्तियों को, आज अच्छा ऑफर मिलेगा। आज आप ज्यादा से ज्यादा समय पढ़ने-लिखने में बिताएंगे।

धनु राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपको बिजनेस में बड़ा आर्डर मिलने की संभावना है। किसी शारीरिक समस्या से आपको निजात मिलेगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा, बच्चों के साथ आज आप डिनर पर जायेंगे।

मकर राशिः आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापारिक दृष्टि से आज आपको धन लाभ होगा, पारिवारिक माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आज आपके बच्चे आपसे अपनी प्रॉब्लम शेयर करेंगें, आपको उनकी बात ध्यान से सुननी चाहिए।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपको बिजनेस में बड़ा धन लाभ होगा, आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। आज आपमें कमाल का आत्मविश्वास देखने को मिलेगा, जिससे लोग आपसे प्रभावित होंगे।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आप अपने बेटे के साथ मिलकर व्यापार को एक नई दिशा प्रदान करेंगे। आज आप किसी सामूहिक समारोह में शामिल हो सकते है।

मानसून में घर की दीवारों में आ जाती है नमी, तो आज से ही करें ये काम

मानसून आते ही मौसम में ह्यूमिडिटी बढ़ जाती है, जिसके कारण घर की दीवारों का पेंट फूलने लगता है। इससे न सिर्फ दीवारें खराब होती है बल्कि इससे सटाकर रखी गई सामान भी बेकार हो जाती है।

मानसून का मौसम जल्द ही दस्तक देने वाला है। ऐसे में मौसम तो काफी सुहाना रहता है लेकिन इस दौरान अक्सर घरों मे सीलन आने लगती है। दीवार पर मौजूद नमी धीरे-धीरे इससे सटे हुए सामान जैसे अलमारी, बेड आदि को खराब कर देता है। दरअसल, बारिश के मौसम मे नमी का स्तर काफी बढ़ जाता है। ऐसे में घर की दीवारों को खास देखभाल करने की जरूरत होती है। ह्यूमिडिटी बढ़ने के कारण वॉल पर फफूंद के निशान और अजीब से दुर्गंध आने लगती है। अगर आप इस मानसून घर की दीवारों को खराब होने से बचाना चाहती है तो आज ही कर लें ये काम।

वाटरप्रूफ पेंट का करें इस्तेमाल

घर को सुंदर दिखाने में पेंट का अहम रोल होता है। ऐसे मे पेंट करवाते समय वाटरप्रूफ कलर का इस्तेमाल करें। इस तरह से आप एक साथ दो काम कर सकते है पहला घर लंबे समय तक सुंदर और दूसरा बरसात से घर को सुरक्षित।

प्लम्बर से नल को कराएं चेक

घर में लगे पानी के टैप को समय-समय पर चेक करें। बारिश का पानी के बजाय कई बार पाइप कनेक्शन से रिसने वाले पानी के कारण दीवार मे नमी आती है। ऐसे मे दीवार मे आने वाली नमी के कारण पेंट फूल कर गिरने लगता है, जिससे गंदगी और स्मेल दोनों बढ़ जाती है।

वेंटिलेशन का रखें ध्यान

बारिश होने के बाद घर की खिड़कियों को जरूर खोल दें। हल्की धूप निकलने पर घर के कपड़े से लेकर मैट परदे आदि को धूप दिखाए। वेंटिलेशन का खास ख्याल रखें ऐसा करने से आप दीवारों को नमी से कुछ हद तक बचा सकते हैं।

पानी को निकलने वाली जगह को रखें क्लीन

घर में जहा पर पानी निकलने का सोर्स है उस जगह को हमेशा साफ रखें। कई बार नाली में जमी गंदगी व कचरे के कारण बारिश का पानी आसानी से बाहर नहीं निकल पाता। पानी एकत्र होने के कारण दीवार की मदद से वह ऊपर चढ़ने लगता है।

मानसून के मौसम में इन हैक्स की मदद से करें सफाई

क्लीन और स्मेल फ्री रहेगा घर

मानसून और बारिश में घर को साफ-सुथरा रखना किसी चैलेंज से कम नहीं होता। बारिश के कारण घर में 24 घंटे नमी बनी रहती है जिसकी वजह से लकड़ी के फर्नीचर और कपड़ों में स्मेल और दीमक लगने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं बाहर से आने पर घर में पानी के साथ-साथ कीचड़-मिट्टी हो जाता है। हालांकि सही क्लीनिंग हैक्स की मदद से इससे निजात पा सकती हैं। इन हैक्स को अपनाकर आप कम मेहनत में अपने घर को क्लीन और स्मेल फ्री रख सकती हैं।

बारिश में घर को साफ करने के लिए अपनाएं ये हैक्स

आमतौर पर बारिश के मौसम मे सफाई का काम कई गुना बढ़ जाता है। इस समय कम धूप और ज्यादातर बारिश होती रहती है जिसके कारण से सीलन और चिपचिपाहट बनी रहती है। बेशक ही तेज हवा और बारिश गर्मी से आराम दिलाता है लेकिन काम बढ़ा देता है। इस दौरान न सिर्फ कीचड़ घर के अंदर आता है बल्कि कीड़े-मकोड़े भी बढ़ जाते हैं।

पानी सोखने वाले डोरमैट का करें इस्तेमाल

डोरमैट का इस्तेमाल हम सभी पैरों और जूतों पर लगी मिट्टी को साफ करने के लिए करते हैं। इस मौसम में घर के दरवाजे पर ऐसा डोरमैट बिछाए जो पानी और गंदगी को आसानी से सोख लें। आज के समय लोग बाजार में मिलने वाले फैशनेबल मैट का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें पानी और गंदगी को साफ करना आसान तो होता है लेकिन इन्हें साफ करना काफी मुश्किल हो जाता है। बारिश में हल्का और नमी सोखने वाला डोरमैट इस्तेमाल करें। आप चाहें तो इसे घर पर पुराने कपड़े की मदद से बना सकती हैं। पायदान को दूसरे व तीसरे दिन में धोकर सुखा दें।

घर के अंदर आने वाले पानी को रोके

बारिश में घरों में सीलन आने की समस्या काफी आम बात है। लेकिन इससे होने वाली दिक्कत हर किसी को परेशान करती है। ऐसे में बारिश शुरू होने से पहले सीलन की समस्या का उपाय खोज लें। इसके लिए घर में बनी नालियों को साफ करें। दीवारों पर वाटरप्रूफ पेंट करें। दरार वाली जगहों को चेक कर सही कराएं।

अलमारी को बारिश से पहले करें साफ

वैसे तो हर मौसम में अपनी अलमारी को साफ करना जरूरी है। लेकिन अगर आपने अलमारी को दीवार से चिपकाकर रखा है तो उसकी नमी कपड़ों तक पहुंच जाती है। ऐसे में बारिश शुरू होने से पहले अलमारी को दीवार से हटाएं। इसके बाद अलमारी के अंदर बनी रैक पर पेपर बिछाकर कपड़ों को सही से व्यवस्थित करें। नमी आने के कारण अक्सर कपड़े बदबू करने लगते हैं। ऐसे में आप कपूर, दालचीनी और नीम की पत्तियों को बांधकर इसके बीच में रखें। ये सामग्री नमी को सोखने का काम कर उन्हें सुरक्षित रखता है।

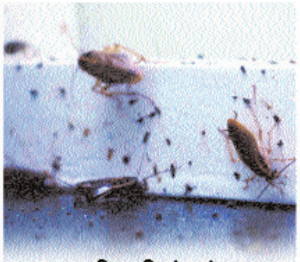

बरसाती कीड़ों से पाना है छुटकारा तो ऐसे करें घर की सफाई

बारिश के मौसम में बरसाती कीड़े के साथ ही घर मे चींटी और काकरोच जैसी चीजें भी आने लगती है। ऐसे मे अगर घर में छोटे बच्चे हैं तो आपको थोड़ा सतर्क रहना चाहिए। बारिश के मौसम में घर की सफाई करने के लिए आपको कुछ आसान हैक्स की मदद लेनी चाहिए।

दरार और छेद को बंद करें

घर की दीवारों, दरवाजों और खिड़कियों में मौजूद दरारों और छेदों को सीलेंट या प्लास्टर से बंद करें ताकि कीड़े घर के अंदर न आ सकें। ध्यान रखें कि मानसुन के दिनों मे घर की सफाई सही तरीके से करना चाहिए।

कूड़ेदान को साफ रखें

कूड़ेदान को रोजाना साफ करना चाहिए। अगर आप डेली कूड़ेदान को साफ नहीं करती हैं तो उसमें कीड़े लगने लगते है। कचरे को समय-समय पर बाहर निकालें। साथ ही आपको कूड़ेदान को भी धोते रहना चाहिए।

घर में जाली लगाएं

खिड़कियो और दरवाजो पर मानसून के महीने में जाली लगाए ताकि कीड़े अंदर न आ सकें। साथ ही आपको रोजाना अपने घर को शाम के समय पोछा लगाना होगा।

गंदे बर्तन न छोड़ें

खाना खाने के बाद बर्तनों को तुरंत साफ करें। गंदे बर्तन लंबे समय तक छोड़ने के कारण बर्तन में कीड़े लगने लगते हैं। ऐसे मे आपको ध्यान रखना है कि रात के समय भूलकर भी बर्तन को बेसिन में ना छोड़े।

बरसात में आपका घर न लगे अस्त-व्यस्त, इसलिए उसे इस तरह से करें व्यवस्थित

मानसून अपने साथ राहत लेकर आता है, यह तो हमको मालूम ही है। मगर आपने ध्यान दिया होगा कि अक्सर बारिश होने की वजह से चीजें अस्त-व्यस्त रहती हैं। घरों में सीलन आदि होने लगती है और इसी के कारण बदबू भी होने लगती है।

जरूरी है कि मानसून में आप अपने साथ-साथ घर का भी पूरा ख्याल रखें। अपने घर को मेंटेन रखने के लिए आप क्या-क्या तरीके अपना सकती हैं, इसके बारे में आपने सोचा है? अगर नहीं, तो हम ऐसे ही कुछ खास तरीके आपको बताने वाले हैं, जिसके साथ आप अपने घर को व्यवस्थित कर सकती हैं और मानसून की टेंशन से दूर हो सकती हैं।

खुशबू का रखें ख्याल

मानसून के कारण घरो मे से एक अजीब से महक आना शुरू हो जाती है। वह दीवारों के गीले होने के कारण होती है। ऐसे में कभी आपके घर कोई मेहमान आ जाए तो आपको कितनी फजीहत होगी। ऐसा न हो इसके लिए हमेशा नियमित रूप से घर की साफ-सफाई करें। इसके अलावा अपने लिविंग रूम में एक पोटपोरी रखें, जिसमें एसेंशियल ऑयल डाला जाता है। इससे आपके कमरे खुशबू से महकते रहेंगे और गंदी बदबू से आपको छुटकारा मिलेगा।

इंडोर प्लांट्स लगाएं

अब इंडोर प्लांट्स तो आपके घर में होंगे ही, लेकिन ऐसे मौसम में उन पौधों को घर पर रखें, जो घर से ह्यूमिडिटी हटा सकें। साथ ही ऐसे पौधे भी लाएं, जो कम सनलाइट में भी बढ़ सकें। अगर किसी विशेष एरिया पर ज्यादा पौधे है, तो उन्हे हटाकर बालकनी की तरफ ले जाएं। मानसून में पौधों पर जल्दी कीड़े लगते हैं, इसका भी ध्यान रखें और उनकी देखभाल अच्छे से करें।

कारपेट्स को करें क्लीन

मानसून मे सबसे ज्यादा गंदगी आपके कालीन पर होती है। वे जल्दी नम हो जाते हैं और उनमे धूल-मिट्टी भी चिपक जाती है। इस कारण कमरे में से गंदी बदबू आने लगती है। इसे हटाने के लिए कार्पेट को रोजाना वैक्यूम क्लीनर से क्लीन करें। हफ्ते मे दो बार कार्पेट की डीप क्लीनिंग करें। वहीं, ऐसा बार-बार करना न चाहते हो, तो इस मौसम में कारपेट बिछाने से बचें। यह आप आपका वक्त भी बचाएगा और घर में गदगी भी नहीं होगी।

लकड़ी के फर्नीचर का रखें खास ख्याल

हम सब जानते हैं कि मानसून में लकड़ी के फर्नीचर कितनी जल्दी खराब होते हैं। नमी के कारण लकड़ी फूल जाती है और दीमक की समस्या भी उत्पन्न होती है। इससे अपने फर्नीचर को बचाने के लिए नियमित रूप से वैक्सिंग का सहारा लें। अगर आपके दरवाजे, खिड़किया फूली हुई लगे, तो सैंडपेपर की मदद से उन्हें साफ करें। ऐसे मौसम में किसी तरह का रेनोवेशन करवाने से भी बचना चाहिए। यह चीजों को और अस्त-व्यस्त कर सकता है।

किताबों की जगह बदलें

अगर आपके घर में सामान से ज्यादा किताबें रहती है, तो इस मौसम मे उनका भी ख्याल रखें। अपने बुक शेल्फ को ऐसी जगहों से दूर कर दे, जहा नमी जल्दी पकड़ी हो। साथी ही उनके बीच कपूर की गोलियां डालना न भूले। आप किताबो की आलमारी में सिलिका जेल के पाउच भी रख सकते है। इससे मॉइश्चर मे कमी आती है और यह आसानी से बाजारों में उपलब्ध भी हो जाते हैं। इतना ही नहीं, घर की वायरिंग का भी खास ख्याल देना जरूरी है। मानसून मे फ्लक्चुएशन बहुत होती है। शॉर्ट सर्किट न हो इसके लिए अपनी वायरिंग की जाच भी करवाए।

लुक चेंज करने के लिए पहनें माहेश्वरी साड़ी

साड़ी स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। लेकिन यह तभी अच्छी लगती हैं, जब आप सही कलर और डिजाइन को इवेंट के हिसाब से वियर करते हैं।

साड़ी स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। इसलिए जब भी साड़ी किसी खास दिन पर पहनने की बात आती है तो हम अलग-अलग डिजाइन ऑप्शन को सर्च करते हैं, ताकि सबसे अलग नजर आ सके। वहीं कई सारे लोग ऐसे होते हैं, जो इवेंट के हिसाब से साड़ी खरीदते हैं। वहीं कुछ फैब्रिक देखकर उन्हें खरीदना और पहनना पसंद करते हैं। अगर आपको भी कुछ नए फैब्रिक को ट्राई करना है तो आप इसके लिए मध्य प्रदेश की फेमस माहेश्वरी साड़ी को वियर कर सकती हैं। यह सिल्क फैब्रिक से तैयार की जाती है। साथ ही, पहनने में कंफर्टेबल होती है।

माहेश्वरी गोल्डन जरी वर्क साड़ी

साड़ी डिजाइन में आप गोल्डन वर्क वाली जरी वाले पैटर्न को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी सॉफ्ट कपड़े से बनाई जाती है। इसलिए, इसे पहनना आसान होता है। वहीं इसमें जो वर्क किया जाता है वो बॉर्डर और पल्लू पर किया जाता है। इससे साड़ी और अच्छी लगती है। इसे हैवी टच देने के लिए छोटी-छोटी बूटी के डिजाइन को पूरी साड़ी में डिजाइन किया जाता है। साड़ी सिंपल भी लगती है। लेकिन जब एक्सेसरीज के साथ वियर की जाती है तो हैवी लुक देती है। आप इसे किसी भी इवेंट पर वियर कर सकती हैं। इसमें आपका लुक अच्छा लगेगा। इस तरह की साड़ी आपको मार्केट में 1,000 से 2,000 रुपये में मिल जाएगी।

बाटिक प्रिंट साड़ी डिजाइन

साड़ी स्टाइल करना पसंद है, तो आप बाटिक प्रिंट साड़ी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी दिखने में सुंदर लगती है। साथ ही, कॉटन साड़ी जैसा लुक देती है। आप इस तरह की साड़ी को ऑफिस या डे पार्टी में अच्छी एक्सेसरीज के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक भी अच्छा लगेगा। साथ ही, आप सबसे अलग नजर आएंगी। इसमें आपको प्रिंट और डिजाइन अलग-अलग मिल जाएंगे, जिससे आपका लुक अच्छा लगेगा। मार्केट मे इस तरह की साड़ी आपको 500 रुपये में मिल जाएगी।

कॉटन सिल्क माहेश्वरी साड़ी

आप फोटो मे नजर आने वाली कॉटन माहेश्वरी सिल्क साड़ी को भी वियर कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी डिजाइन डिफरेंट होते हैं। साथ ही, स्टाइल करने के बाद अच्छे लगते हैं। इसमें आपको डबल कलर के साथ बॉर्डर मिलेगा। साथ में गोल्डन जरी वर्क डिजाइन का पैटर्न मिलेगा। इससे साड़ी क्लासी नजर आएगी। आप इस साड़ी को किसी भी फंक्शन में स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक अलग और सुंदर लगेगा। मार्केट में इस तरह की साड़ी आपको 1,000 से 2,000 रुपये मे मिल जाएगी। मार्केट जाकर इस बार सिल्क या कॉटन नहीं बल्कि माहेश्वरी साड़ी को वियर करें। इसमें आपका लुक अच्छा लगेगा। साथ ही आपको कुछ नया ट्राई करने को मिलेगा।

माओवादी डिप्टी कमांडर सोढ़ी कन्ना को न्यूट्रलाइज किया जाना, हमारे सुरक्षा बलों की सटीक रणनीति- सीएम

रायपुर। बस्तर के बीजापुर में माओवादियों के पीएलजीए बटालियन के 08 लाख के इनामी डिप्टी कमांडर सोढ़ी कन्ना को न्यूट्रलाइज किया जाना, हमारे सुरक्षा बलों की सटीक रणनीति, अदम्य साहस और जनसहभागिता का जीवंत उदाहरण है। उक्त बातें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा। उन्होंने आगे लिखा कि हमारे सुरक्षाबलों के शौर्य को नमन करता हूँ, जिनकी निरंतर और निर्णायक कार्रवाइयों ने नक्सल संगठन की रीढ़ तोड़ दी है। अब नक्सलवाद अंतिम साँसें गिन रहा है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के नेतृत्व में 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलमुक्त करने का मिशन निर्णायक दौर में है।

न्यूज गैलरी

01 अप्रैल 2019 के पूर्व पंजीकृत वाहनों के लिए एच. एस.आर.पी. नंबर प्लेट अनिवार्य

कोरिया बैकुंठपुर - जिला परिवहन विभाग के अधिकारी अनिल भगत ने जानकारी दी है कि ०१ अप्रैल २०१९ के पहले पंजीकृत सभी प्रकार के वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एच.एस.आर.पी.) लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके तहत आमजन की सुविधा के लिए जिले में विशेष एच.एस. आर.पी. बुकिंग एवं फिटमेंट शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

शिविरों की तिथियां और स्थान इस प्रकार हैं-

८ जुलाई को चरचा बस स्टैंड, ९ एवं १० जुलाई को कलेक्ट्रेट परिसर, बैकुंठपुर, ११ एवं १२ जुलाई को अग्रहरि परिवहन सुविधा केंद्र, पटना, १४ एवं १५ जुलाई को नगर पालिका परिषद, बैकुंठपुर, १६ एवं १७ जुलाई को जनपद पंचायत, बैकुंठपुर एवं १८ एवं १९ जुलाई को तहसील कार्यालय, बैकुंठपुर में शिविर लगाई जाएगी।

श्री भगत ने बताया कि वाहन मालिकों को एच.एस.आर.पी. नंबर प्लेट के लिए आवेदन करते समय आरसी कार्ड, आधार कार्ड और मोबाइल नंबर देना होगा। शुल्क का भुगतान कर प्रक्रिया पूर्ण की जा सकती है। जिनका मोबाइल नंबर अद्यतन नहीं है, वे शिविर में ही नंबर अपडेट करा सकते हैं। उन्होंने एच.एस.आर.पी. शुल्क के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दोपहिया वाहन के लिए ३६५.८० रुपये, तिपहिया वाहन के लिए ४२७.१६ रुपए, हल्के मोटर वाहन के लिए ६५६.८० रुपए और भारी वाहन के ७०५.६४ रुपए शुल्क निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त, एच.एस.आर.पी. की ऑनलाइन बुकिंग भी जिले में स्थापित परिवहन सुविधा केंद्र, चॉइस सेंटर अथवा परिवहन विभाग की वेबसाइट के माध्यम से की जा सकती है। जिला परिवहन अधिकारी श्री भगत ने जानकारी देते हुए बताया कि एच.एस.आर.पी. नंबर प्लेट नहीं लगवाने वाले वाहन मालिकों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और भविष्य में भारी जुमार्ना भी लगाया जा सकता है। उन्होंने वाहन मालिकों से आग्रह किया है कि समय रहते इस शिविर का लाभ उठाएं और अपने वाहनों में एच.एस.आर.पी. लगवाकर नियमों का पालन करें।

सलका हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में जलभराव की समस्या बनी विकराल, छात्रों को भारी परेशानियों का सामना – समाधान का इंतजार अब भी जारी

कोरिया बैकुंठपुर – जिले के अंतर्गत आने वाला सलका हायर सेकेंडरी स्कूल एक लंबे समय से जलभराव की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। बरसात का मौसम शुरू होते ही स्कूल परिसर तालाब का रूप ले लेता है, जिससे छात्र-छात्राओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। प्रवेश द्वार के चारों ओर पानी ही पानी फैला होता है। यह समस्या कोई नई नहीं है – यह वर्षों से चली आ रही है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है।

बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा असर

जलभराव के कारण बच्चों की पढ़ाई पर गहरा असर पड़ता है। कई बार छात्र स्कूल आने से कतराते हैं, क्योंकि परिसर कीचड़ और पानी से भर जाता है। खासकर छात्राएं इस स्थिति में काफी असहज महसूस करती हैं। विद्यालय में खेलकूद और अन्य शैक्षणिक गतिविधियां भी बुरी तरह प्रभावित होती हैं। कई बार शिक्षक भी समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाते, जिससे शिक्षण व्यवस्था चरमरा जाती है। छात्र-छात्राओं को बारिश के दिनों में अत्यंत मुश्किल हो जाता है।

स्थानीय जनप्रतिनिधि के आश्वासन भी बने मजाक

गौरतलब है कि कोरबा लोकसभा क्षेत्र के सांसद ने पिछले वर्ष सलका हायर सेकेंडरी स्कूल के परिसर मे बाउंड्री वॉल और जलनिकासी की व्यवस्था को दुरुस्त करने का आश्वासन दिया था। उन्होंने मंच से सार्वजनिक रूप से यह घोषणा की थी कि जल्द ही इस दिशा में ठोस निर्णय लिया जाएगा बावजूद इसके आज तक इस समस्या को दूर करने में किसी ने ध्यान नहीं दिया।

अवैध अतिक्रमण बना समस्या,

हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर के आसपास अवैध कब्जे के कारण भी पानी निकासी संभव नहीं है। परिसर के आसपास अवैध कब्जा कर सरकारी जमीन तथा सड़क की जमीन पर दुकान बन जाने के कारण पानी निकासी संभव नहीं हो सकता है परिसर के आसपास अतिक्रमण हटाना अति आवश्यक है अन्यथा हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर बरसात के दिनों में समस्या बनी रहेगी।

परिसर के आसपास के अवैध अतिक्रमण के संबंध में तहसीलदार बैकुंठपुर का पक्ष रखने के लिए उनसे फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन तहसीलदार बैकुंठपुर के द्वारा फोन रिसीव नहीं करने से उनका पक्ष नहीं रखा जा सका।

भूपेंद्र क्लब की जमीन से बेदखल किए गए दुकानदारों ने की व्यवस्थापन की मांग

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। भूपेंद्र क्लब की जमीन से हटाए गए प्रभावित दुकानदारों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पुनर्वास के तहत शहर में खाली पड़ी शासकीय दुकानों में व्यवस्थापन किए जाने की गुहार लगाई है।

ज्ञापन में कहा गया कि पिछले माह 8 जून को भूपेंद्र क्लब की जमीन में पिछले करीब 50 वर्षों से स्थापित पुरानी दुकानों पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया है इससे दुकानदारों और उनके परिवार वालों की स्थिति दयनीय होने के साथ उनकी आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। प्रभावित दुकानदारों ने कहा कि उनकी समस्याओं को देखते हुए नगर के सब्जी मंडी एवं स्टेशन रोड में नगर पालिका की करीब 20 दुकानें खाली पड़ी हैं वहीं जनपद पंचायत की दुकानें भी रिक्त हैं, जहां उन्हें व्यवस्थापित कर दोबारा उनकी जिंदगी की गाड़ी को पटरी पर लाया जा सकता है। दुकानदारों ने कहा कि इसके लिए शासन का जो भी किराया होगा वे देने के लिए तैयार हैं। साथ ही यह भी अनुरोध किया कि भविष्य में जब भी भूपेंद्र क्लब की जमीन पर नगर पालिका दुकान का निर्माण करती है तो प्राथमिकता के आधार पर लागत मूल्य पर उन्हें दुकानें मुहैया कराई जाएं। ज्ञापन सौंपने के दौरान बलविंदर कोहली (बल्ली) एवं कुलदीप विश्वकर्मा के साथ अन्य प्रभावित दुकानदार मौजूद रहे।

जिले में मानसून सक्रिय, अब तक 281.9 मिमी हुई औसत वर्षा दर्ज

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में इस वर्ष मानसून सक्रिय रूप में नजर आ रहा है और विभिन्न तहसीलों में लगातार अच्छी बारिश दर्ज की जा रही है। भू-अभिलेख शाखा द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार,पिछले 24 घंटे के भीतर जिले में औसतन 39.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है वहीं भरतपुर तहसील में सर्वाधिक 349.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है जो कि जिले में अब तक की सबसे अधिक बारिश है। अधिकारियों ने बताया कि 1 जून से 7 जुलाई 2025 तक जिले में कुल औसतन 281.9 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है, जो खरीफ फसलों की बोआई और किसानों की उम्मीदों के लिए एक सकारात्मक संकेत है। तहसीलवार बारिश के आंकड़ों की बात करें तो मनेंद्रगढ़ में अब तक 239.4 मिमी, खड़गवां में 279.6 मि.मी, चिरमिरी में 309.7 मिमी, केल्हारी में 207.9 मिमी, भरतपुर में 349.6 मिमी और कोटाडोल तहसील में 305.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

लोधेशवरधाम में सावन झूला उत्सव और वृक्षारोपण 13 जुलाई को

रायपुर। सावन माह के अवसर पर लोधेशवरधाम लोधी क्षत्रिय समाज रायपुर छत्तीसगढ के तत्वावधान में सावन उत्सव का आयोजन 13 जुलाई को प्रातः 11 बजे 2 बजे तक किया गया है। इस दौरान लोधेशवरधाम के परिसर में वृक्षारोपण भी किया जायेगा। छत्तीसगढ राज्य बनने के समय से निरंतर 24 वर्षो से सामाजिक कार्य करते आ रहे है और लोधेशवरधाम मे विगत 3 वर्षो से रोपे पौधे अब वृक्ष का आकार ले रहा है। इस अवसर पर लोधी समाज की महिला मानस मंडली द्वारा लोधेशवर भगवान की अमृतवाणी भजन प्रस्तुत की जायेगी। इस अवसर पर समाज सभी आगंतुक लोगों को हरा रंग के वेशभूषा में आना अनिवार्य होगा, साथ ही वृक्षारोपण अभियान एक पेड मां के नाम के तहत अपने साथ एक पौधा अवश्य लगाना होगा। सावन झूला कार्यक्रम को और आकर्षक बनाने के लिए महिलाओ द्वारा कुर्सी दौड एवं क्वीज प्रतियोगिता और छात्र - छात्रओ के लिए कैरियर गाईड के साथ बुजुर्गो का भी सम्मान किया जायेगा। इस कार्यक्रम में समाज की सभी महिलाएं भाग ले सकते है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़, जिला - एम.सी.बी. (छ.ग.)

क्रमांक/2014/वाचक-1/डायवर्सन/2025 मनेन्द्रगढ़, दिनांक 04/07/2025

(गौतम दुग्गड़ प्रति छ.ग. शासन)

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र. 202506330400039/अ-2/2024-25

पक्षकार गौतम दुग्गड़ प्रति छ.ग. शासन ग्राम/नगर लालपुर की जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक गौतम दुग्गड़ आ. स्व. गणेशमल दुग्गड़, उम्र करीब-48 वर्ष, जाति-जैन, निवासी वार्ड नं. 12 ओसवाल कॉम्पलेक्स मनेन्द्रगढ़, तह. मनेन्द्रगढ़ जिला एम.सी.बी. (छ.ग.) द्वारा छ.ग.भू.रा. संहिता की धारा 172 के तहत प.ह.नं. 12, ग्राम लालपुर में स्थित भूमि खसरा नं. 138/2, 138/5, 138/10 रकबा क्रमशः 1.2140, 0.2020, 0.109 हे. भूमि का आवेदक के नाम पर राजस्व अभिलेखों में खातेदार के रूप में दर्जशुदा एवं कब्जेदार भूमिस्वामी है। उक्त खसरा नं. 138/2 से 0.808 हे. भूमि का व्यपवर्तन पूर्व में करा लिया है और शेष रकबा 0.406 हे., खसरा नं. 138/5, 138/10 की सम्पूर्ण रकबा 0.202 हे. एवं 0.109 हे. का औद्योगिक प्रयोजन हेतु भू-परिवर्तित का आवेदन पत्र मय रजिस्ट्री, खसरा, बी-वन, ऋण पुस्तिका एवं ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र के साथ प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भू-व्यपवर्तन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति पेश करना है तो दिनांक 14/07/2025 तक पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
मनेन्द्रगढ़
जिला - एम.सी.बी. (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) केल्हारी जिला - एम.सी.बी. (छ.ग.)

(किरन सिंह प्रति छ.ग. शासन)

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र./अ-2/2024-25

ग्राम बुलाकीटोला की जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका किरन सिंह पिता सम्पत जाति गोंड, निवासी ग्राम बुलाकीटोला, तहसील केल्हारी, जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.) द्वारा छ.ग.भू.रा. संहिता की धारा-59 के तहत प.ह.नं. 02, ग्राम बुलाकीटोला में स्थित भूमि खसरा नं. 187/1 रकबा 0.0500 हे. भूमि का राजस्व अभिलेखों में एकमात्र खातेदार के रूप में दर्जशुदा एवं कब्जेदार भूमिस्वामी है। उक्त भूमि का आवेदिका आवासीय प्रयोजन हेतु भूमि परिवर्तन का आवेदन पत्र मय, बी-वन, खसरा नक्शा एवं रीनम्बरिंग, विक्रय पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति संलग्न कर प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भू-व्यपवर्तन/पुनर्निर्धारण के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति पेश करना है तो दिनांक 14/07/2025 तक पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
केल्हारी
जिला - एम.सी.बी. (छ.ग.)

खरीफ 2025- बीज व उर्वरक वितरण में 80ू से अधिक प्रगति

दलहन-तिलहन के क्षेत्र में भी लक्ष्य से बढ़कर काम, किसानों को मिल रही प्रोत्साहन, योजनाओं की जानकारी

कोरिया बैकुंठपुर - खरीफ २०२५ सीजन के लिए जिले में किसानों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण बीज एवं उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित करने जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा व्यापक तैयारी की गई है। उप संचालक कृषि राजेश भारती ने जानकारी दी कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिले में बीज एवं उर्वरक के भंडारण एवं वितरण की प्रक्रिया को तेजी से अंजाम दिया गया है।

प्राप्त विभागीय आंकड़ों के अनुसार, जिले में अब तक ५४५१.९८ क्विंटल बीज का भंडारण किया जा चुका है, जिसमें से ४१३५.९० क्विंटल बीज किसानों को वितरित किया गया है। यह कुल भंडारण का लगभग ७६ प्रतिशत है। वितरण कार्य को पारदर्शी बनाने हेतु सहकारी समितियों और विभागीय अमले के माध्यम से बीज उठाव की व्यवस्था की गई है।

इसी प्रकार, रासायनिक उर्वरकों में ९६६५ मीट्रिक टन का भंडारण किया गया है, जिसमें से ७७३० मीट्रिक टन (लगभग ८० प्रतिशत) किसानों तक पहुँच चुका है। उर्वरकों में यूरिया, डीएपी, एनपीके (१२:३२:१६), एसएसपी जैसे विकल्प उपलब्ध कराए जा रहे हैं। डीएपी की कमी को देखते हुए एनपीके के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है तथा इसके लाभों की जानकारी दी जा रही है।

गुणवत्ता पर विशेष ध्यान, दुकानों में छापेमारी - बीज एवं उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने और गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन व कृषि विभाग द्वारा सख्त निगरानी की जा रही है। हाल ही में सहकारी एवं निजी दुकानों में छापेमारी कर ४५ बीज और १६ उर्वरक नमूनों को जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा गया है।

दलहन-तिलहन का क्षेत्र होगा और विस्तृत - कृषि विभाग द्वारा वर्ष २०२५ के लिए दलहन ९८५० हेक्टेयर और तिलहन २३५० हेक्टेयर क्षेत्र में खेती का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो कि पिछले वर्ष के मुकाबले क्रमशः ६५६ हेक्टेयर एवं ४७६ हेक्टेयर अधिक है। जिले में नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल एंड ऑयलसीड्स एवं अन्य योजनाओं के तहत किसानों को जागरूक किया जा रहा है। अब तक ४४५.२८ क्विंटल दलहन-तिलहन बीज (जैसे उड़द, मूंग, अरहर, मूंगफली) का भंडारण किया गया है, जिनमें से ३६९ क्विंटल बीजों का वितरण हो चुका है।

धान के स्थान पर लें वैकल्पिक फसलें, कृषि विभाग की अपील - किसानों से अपील करते हुए उप संचालक श्री भारती ने कहा कि वे धान की परंपरागत खेती के स्थान पर दलहन व तिलहन फसलों की ओर रुख करें तथा मेड़ों पर अरहर जैसी फसलें लगाकर भूमि का अधिकतम उपयोग करें। इससे न केवल मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी, बल्कि आय में भी इजाफा होगा।

न्यायालय नायब तहसीलदार नागपुर, जिला - एम.सी.बी. (छ.ग.)

//ईश्तहार//

सर्व साधारण ग्रामीण जनता ग्राम नागपुर रा.नि.मं. नागपुर मनेन्द्रगढ़, जिला-एम.सी.बी. को सूचित किया जाता है कि कार्यालय प्राचार्य शासकीय नवीन महाविद्यालय नागपुर के द्वारा उप तहसील नागपुर के ग्राम नागपुर में स्थित शासकीय भूमि खसरा नं. 3/1, 3/7 रकबा क्रमशः 1.989, 0.494 हे. भूमि एवं ग्राम हर्रा स्थित शासकीय भूमि ख.नं. 36/1 रकबा 20.525 हे. में से रकबा 0.850 हे. भूमि को शासकीय नवीन महाविद्यालय नागपुर की स्थापना किये जाने हेतु आवंटित करने बावत आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रेषित किया गया है।

उक्त संबंध में कोई भी ग्रामीण जनता अपना आपत्ति-दावा प्रस्तुत करना चाहते हैं तो दिनांक 17/07/2025 तक प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर किसी भी प्रकार से कोई विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 03/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

तहसीलदार
उप तहसील नागपुर
जिला - एम.सी.बी. (छ.ग.)

कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी कर रही लगातार निगरानी

नगरीय निकायों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश, नागरिकों से सहयोग की अपील

कोरिया बैकुंठपुर - लगातार हो रही बारिश के कारण कोरिया जिले के विभिन्न शहरी क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी स्वयं जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर रही हैं और अधिकारियों को त्वरित उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दे रही हैं। शिवपुर-चरचा नगर पालिक परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि वार्ड क्रमांक ३, ५ एवं ९ में नालियों की सफाई कराई गई है। विशेष रूप से वार्ड ३ में नाली जाम होने के कारण पानी की निकासी बाधित हो रही थी, जिसे सफाई कर्मियों द्वारा हटाए जाने के बाद जल निकासी प्रारंभ हो गई है। बैकुंठपुर क्षेत्र में प्रतीक्षा बस स्टैंड कॉम्प्लेक्स में छत, गैलरी और सीढ़ियों पर रखे गए कबाड़ के कारण कई दुकानों में पानी टपकने और विद्युत उपकरणों के खराब होने की शिकायतें मिल रही थीं। नगर पालिका द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सारा कबाड़ हटा दिया गया है। नगर पंचायत पटना क्षेत्र में कन्या छात्रावास में जलभराव की स्थिति बनी थी, जिसे तत्काल प्रभाव से साफ कराकर पानी निकासी की व्यवस्था की गई है। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने सभी नगरीय निकायों एवं जनपद सीईओ को निर्देशित किया है कि जलभराव की सूचना मिलते ही तत्काल पूरे अमले के साथ मौके पर पहुंचकर समस्या का समाधान किया जाए। साथ ही उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि नालियों में कचरा न फेंकें, जिससे जल निकासी में बाधा उत्पन्न न हो।

अयोध्या दर्शन कर छत्तीसगढ़ लौट रहे परिवार का वाहन शहडोल में टकराया पेड़ से, तीन की मौके पर हुई मौत, 4 गंभीर

शहडोल-बिलासपुर। शहडोल जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के जोरा में अयोध्या दर्शन कर छत्तीसगढ़ से गए 20 लोग तूफान वाहन से लौट रहे परिवार का वाहन पेड़ से टकरा जाने के कारण उसमें सवार तीन महिलाओं गायत्री कवर 55, मालती पटेल 50 एवं इंदिरा बाई की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई है जबकि चार लोगों की हालत गंभीर है। गंभीर लोगों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल ब्यौहारी के डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर कर दिया है। सभी छत्तीसगढ़ की रहने वाली और अयोध्या दर्शन कर लौट रहीं थीं।

रोहित और कोहली की वनडे वापसी पर लगा ब्रेक

भारत-बांग्लादेश क्रिकेट सीरीज 2025 टली, फैंस को करना होगा इंतजार

■ नईदिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम इस साल बांग्लादेश दौरे पर नहीं जाएगी। भारत और बांग्लादेश के बीच अगस्त 2025 में प्रस्तावित सीमित ओवरों की सीरीज अब फिलहाल स्थगित कर दी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को जानकारी दी कि दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड की आपसी सहमति से यह निर्णय लिया गया है। नई सीरीज अब सितंबर 2026 तक के लिए टाल दी गई है। इस दौरे में तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाने थे।

सीरीज टलने से भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उस वापसी का भी इंतजार करना पड़ेगा जिसका वे लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे रोहित शर्मा और विराट कोहली की वनडे क्रिकेट में वापसी। दोनों दिग्गज खिलाड़ी पहले ही टेस्ट और टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। ऐसे में बांग्लादेश के खिलाफ यह सीरीज उनके लिए एक तरह से वनडे क्रिकेट में पुनः दस्तक देने का मंच मानी जा रही थी।

बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा कि यह निर्णय दोनों टीमों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम और मौजूदा शेड्यूल की व्यस्तता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भी पुष्टि की है कि वह सितंबर 2026 में भारत की मेजबानी को लेकर उत्साहित है। इस सीरीज की नई तारीखों की घोषणा आने वाले महीनों में की जाएगी।

गौरतलब है कि भारत और बांग्लादेश के बीच यह सीरीज 17 अगस्त 2025 से शुरू होनी थी। तय कार्यक्रम के अनुसार टीम इंडिया को इंग्लैंड दौरे के समापन के बाद सीधे बांग्लादेश रवाना होना था, लेकिन अब उस योजना पर विराम लग गया है। फिलहाल भारतीय टीम इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है, जो 4 अगस्त को समाप्त होगी। सीरीज स्थगित होने से रोहित और विराट के प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है। विराट कोहली ने अपना आखिरी वनडे मार्च 2025 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था और अब तक वे 302 वनडे मैचों में 14181 रन बना चुके हैं, जिसमें 51 शतक और 74 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं रोहित शर्मा ने 273 वनडे मैचों में 11168 रन बनाए हैं और उन्होंने भी अपना अंतिम वनडे न्यूजीलैंड के खिलाफ ही मार्च 2025 में खेला था।

ऑस्ट्रेलिया में जब एक क्रिकेट मुकाबले में बने थे 286 रन

मुम्बई अगर आप से पूछा जाये कि एक गेंद पर अधिकतम कितने रन बन सकते हैं तो अधिकतर लोगों का जवाब होगा कि सात रन। वह भी तब जब कोई बल्लेबाज नो बाल पर छक्का लगा दे। वहीं अगर क्रिकेट इतिहास देखें तो पता चलता है कि एक गेंद पर 286 रन भी बने हैं। ये कारनामा एक बार ऑस्ट्रेलिया में हुआ था। ये साल 1894 का मैच था। तब केवल इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया ही टेस्ट मैच खेला करते थे। एक रिपोर्ट के अनुसार ये मैच ऑस्ट्रेलिया में विक्टोरिया और स्क्रैच एकादश के बीच खेला गया था और इस मैच में एक गेंद पर ही 286 रन बने थे।

इस मैच के दौरान विक्टोरिया के बल्लेबाज ने एक जोरदार शॉट खेला और गेंद पेड़ पर जाकर अटक गई। यह पेड़ बाउंड्री लाइन के अंदर ही था। जब तक गेंद पेड़ पर टंगी रही, तब तक बल्लेबाज रन दौड़ते रहे। इस दौरान दूसरी टीम के खिलाडियों ने उन्हें रोकते के लिए पूरी ताकत लगा दी पर वे वे नहीं रुके। यहां तक कि कुछ खिलाड़ी अंपायर के पास पहुंचे और बल्लेबाजों को रन दौड़ने से रोकने की मांग की पर अंपायरों ने इंकार कर दिया। अंपायर्स ने कहा कि गेंद दिख रही है। इसलिए इसे गुम हुआ घोषित नहीं किया जा सकता है।

तब अब मैदान पर एक ओर बल्लेबाज पिच पर रन बना रहे थे।

शुभमन गिल और आकाश दीप ने किया कमाल, इंग्लैंड की धरती पर जीता भारत

बर्मिंघम में 58 साल में पहली जीत

बर्मिंघम भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को बर्मिंघम के एजबेस्टन ग्राउंड में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 336 रन से हरा दिया। इसके साथ ही पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है।

608 रन के टारगेट का पीछा कर रही इंग्लैंड की टीम मैच के आखिरी दिन 271 रन पर ऑलआउट हो गई। यह इंग्लैंड की धरती पर रन के लिहाज से भारत की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। पिछला रिकॉर्ड 279 रन से जीत का था। भारत ने 1986 में लीड्स में अंग्रेजों को इस अंतर से हराया था। साथ ही भारत ने बर्मिंघम में 58 साल में पहली जीत हासिल की है। इससे पहले यहां खेले 8 टेस्ट में से 7 में भारत को हार मिली थी और 1 मुकाबला ड्रॉ हुआ था।

मैच के आखिरी दिन इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 72 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। बारिश के कारण मुकाबला करीब 90 मिनट की देरी से शुरू हुआ। लंच तक अंग्रेजों ने तीन विकेट और गंवा दिए। दूसरे सत्र में बाकी बचे चार विकेट गिरे। भारत के लिए आकाश दीप ने 6, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा और रवींद्र जडेजा ने एक-एक विकेट लिए।

भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 587 रन बनाए थे। शुभमन गिल ने 269 रनों की पारी खेली। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 407 रन पर सिमट गई। भारत ने अपनी दूसरी पारी 6 विकेट पर 427 रन के स्कोर पर घोषित कर दी। गिल फिर टॉप स्कोरर रहे और 161 रन बनाए।

अब एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाना चाहते हैं वैभव शुभमन से हैं प्रेरित

■ लंदन

इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-19 क्रिकेट के चौथे एकदिवसीय में शानदार शतक लगाने वाले वैभव सूर्यवंशी का कहना है कि अब उनका लक्ष्य दोहरा शतक लगाना है। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे एकदिवसीय में वैभव ने 143 रन बनाये थे। वैभव ने कहा कि उसके पास और अधिक रन बनाने का अवसर था, पर एक खराब शॉट की वजह से ये अवसर उनके हाथ से निकल गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने वैभव सूर्यवंशी का एक वीडियो भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया है जिसमें वह अपने सबसे कम उम्र के शतक लगाने के रिकार्ड की बात कर रहे हैं। इस उभरते हुए बल्लेबाज ने कहा, मुझे पता नहीं था कि मैंने रिकॉर्ड बनाया है, हमारे टीम मैनेजर ने मुझे ये बात बतायी। वैभव ने कहा कि टेस्ट कप्तान शुभमन गिल से ही उन्हें बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिली है। शुभमन ने जब एजबेस्टन टेस्ट में दोहरा शतक लगाया था तो वैभव वहां स्टेडियम में थे। इसी को लेकर वैभव ने कहा, ÷ मैं उनसे प्रेरित हूं उन्होंने 100 और 200 बनाने के बाद भी रन बनाने का प्रयास जारी रखा और टीम को आगे बढ़ाया।÷

शुभमन की पारी देखने के बाद वैभव ने कहा कि वह भी 143 रनों की पारी को आगे बढ़ा सकते थे। तब 20 ओवर बचे थे पर एक शॉट वह ठीक से नहीं खेल पाये जिसका उन्हें नुकसान हुआ है।

गिल, जायसवाल और पंत पर होगा अब दारोमदार : वॉन

लंदन कोहली, रोहित के बाद भारतीय टेस्ट टीम को आगे ले जाने की जिम्मेदारी अब शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत को उठानी पड़ेगी। यह मानना है इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का। विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर वॉन ने कहा कि कोहली ने अपने समय में अकेले यह जिम्मेदारी बखूबी निभाई।

अब यह युवा खिलाड़ियों के पास बड़ा मौका है कि वे उस विरासत को आगे बढ़ाएं। वॉन ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज़ में देखा जाए तो कोहली और रोहित की गैरमौजूदगी के बावजूद भारतीय बल्लेबाजी क्रम अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उनके मुताबिक गिल, जायसवाल और पंत ने मिलकर एक अच्छा समूह बनाया है जो जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार दिखता है। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों के पास भारतीय टेस्ट क्रिकेट को वही ऊर्जा और जुनून देने का मौका है जो कोहली ने दिया था। वॉन ने कहा कि कोहली ने टीम में न सिर्फ बल्लेबाजी बल्कि आक्रामक सोच और रणनीतिक समझ भी दी, जो भारतीय टीम को लंबे समय तक शीर्ष पर बनाए रखने में मददगार रही। उन्होंने कहा कि अगर गिल, जायसवाल और पंत इस मानक के करीब भी पहुंच सके तो यह भारतीय टीम के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। वॉन ने माना कि भारत जैसी प्रतिभा-समृद्ध टीम के पास हमेशा विकल्प रहते हैं लेकिन कोहली जैसा करिश्माई और प्रेरक खिलाड़ी बार-बार नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि दो बड़े खिलाड़ियों के अचानक टीम से बाहर होने के बाद तुरंत आगे बढ़ पाना आसान नहीं होता, लेकिन शुभमन गिल ने बतौर कप्तान और बल्लेबाज काफी परिपक्वता दिखाई है और उनके नेतृत्व में टीम को बल्लेबाजी में कोई बड़ी कमी नहीं दिखती।

वॉन ने यह भी कहा कि भारत की टेस्ट टीम में इतनी गहराई और प्रतिस्पर्धा है कि यह टीम भविष्य में भी दबदबा कायम रख सकती है। उन्होंने हालांकि यह भी जोड़ा कि टीम को ज्यादा निरंतरता दिखानी होगी ताकि वह लंबे समय तक शीर्ष पर बनी रहे। वॉन ने चयन को लेकर कुछ सवाल भी उठाए और कहा कि वह जसप्रीत बुमराह को दूसरे टेस्ट में न खिलाने और कुलदीप यादव को बाहर रखने के फैसले से हैरान हैं।

उंची-उंची चोटियां फतह करने वाली अनुजा अब जलक्रीड़ा में बना रहीं पहचान

■ नईदिल्ली

दुनिया की सात सबसे ऊंची चोटियां फतह करने वाली 27 साल की अनुजा वैद्य ने अब जलक्रीड़ा (वॉटर स्कीइंग) की दुनिया में पहचान बना ली है। वह पहली भारतीय महिला है, जिन्होंने इंटरनैशनल वॉटर स्कीइंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया है। अनुजा 2019 में अपनी बड़ी बहन अदिति के साथ माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की थी। वह हाल ही में थाईलैंड में 24 से 29 जून तक आयोजित एशियाई वॉटर स्की और वेकबोर्ड चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। भारत के वेकबोर्ड और वॉटर स्की फेडरेशन के सेक्रेटरी राजपाल सिंह ने बताया कि वह पहली महिला है, जिन्होंने इंटरनैशनल स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

अपने आसपास की नदियों में सीमित सामानों के साथ अभ्यास कर रही अनुजा को प्रतियोगिता में पता चला कि वे पहली भारतीय महिला है, जिन्होंने आधिकारिक तौर पर इंटरनैशनल स्तर पर वाटर स्कीइंग में भाग लिया। यह जानकारी उन्हें इंटरनैशनल वाटर स्की और वेकबोर्ड फेडरेशन के अधिकारियों ने दी। अनुजा के लिए यह एक कभी न भूलने वाला पल था।

खुद को मैच के लिए तैयार करने और उस माहौल के अनुसार अपने आप को ढालने के लिए अनुजा पहले ही थाईलैंड पहुंच गई थी, जहां उन्होंने पेशेवर उपकरणों के साथ ट्रेनिंग लिया। अनुजा ने कहा, सूरत में हम अलग-अलग उपकरणों से अभ्यास करते थे। उनके पिता आनंद ने बेटी की मेहनत पर गर्व जताया। उन्होंने कहा, हमने तापी नदी में केवल बेसिक उपकरणों से ट्रेनिंग दिया। इंटरनैशनल मंचों पर उनका प्रदर्शन काबिल-ए-तारीफ रहा। वॉटरस्की एक एड्रेनालाईन से भरपूर खेल है। अनुजा वैद्य ने बताया कि मैं लगभग सात साल से अपने पिता के साथ तापी नदी में वॉटर स्कीइंग सीख रही हूं। मुझे लगा कि मैं उच्च स्तर पर कॉम्पिटिशन कर सकती हूं, इसलिए मैंने प्रयास किया। बेहद रोमांचक था।

टेस्ट और वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की खास सूची में शुभमन का नाम

■ नईदिल्ली

भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में दोहरा शतक जमाकर कई बड़ी उपलब्धियां अपने नाम कर लीं। गिल ने पहली पारी में 269 रन बनाए और वह एसईएनए देशों (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले पहले एशियाई बल्लेबाज़ बन गए। इसके अलावा उन्होंने भारत के लिए टेस्ट में बतौर कप्तान सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी का रिकॉर्ड भी तोड़ा। गिल की इस ऐतिहासिक पारी ने उन्हें क्रिकेट के उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल कर दिया है जिन्होंने वनडे और टेस्ट दोनों प्रारूपों में दोहरा शतक जड़ा है। इस खास क्लब में दुनिया भर से सिर्फ पांच खिलाड़ी शामिल हैं और उनमें से चार भारतीय हैं। शुभमन गिल ने जनवरी 2023 में हैदराबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में 208 रन बनाए थे और वह यह कारनामा करने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बने थे।

टूर डी फ्रांस साइकिल रेस के पहले चरण में जीत के बाद उत्साहित एलपेसिन के डूसेनिक जेसपर फिलिसन।

अंडर-19 क्रिकेट -इंग्लैंड दौरे में आयुष ने किया निराश, वैभव का धमाकेदार प्रदर्शन

लंदन । भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे अब तक इंग्लैंड दौरे पर रन बनाने में विफल रहे हैं।

आयुष को आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से बेहतर प्रदर्शन के कारण भारतीय अंडर-19 टीम का कप्तान बनाया गया था पर उन्होंने प्रशंसकों को निराश किया हैं। आयुष तीन पारियों में कुल मिलाकर केवल 26 रन बना पाए हैं। आयुष का लिस्ट ए क्रिकेट में औसत 65 से अधिक है। इस क्रिकेटर ने मुम्बई की ओर से फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में शतक भी लगाये हैं। पिछले सात के अंडर19 एशिया कप में आयुष ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए पांच पारियों में 44 की औसत और 135.38 की स्ट्राइक रेट से कुल 176 रन बनाए थे।

दूसरी ओर 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए अब तक हर मैच में अपने को साबित किया है।

वैभव ने इंग्लैंड अंडर-19 टीम के खिलाफ चौथे एकदिवसीय मैच में 183 के स्ट्राइक रेट से 78 गेंदों में ही 13 चौके और 10 छक्कों की सहायता से 143 रन बनाये। जिससे भारतीय टीम ने इस मैच में नौ विकेट पर 363 रन बनाकर 55 रनों से जीत हासिल की। वैभव ने इस मैच में सबसे तेज शतक लगाया। आयुष 14 गेंदों में 5 रन ही बना पाये। पहले मैच में वह 21 रन बनाने के बाद वह दूसरे मैच में पहली ही गेंद पर आउट हुए जबकि तीसरे मैच में फिट नहीं होने के कारण बाहर थे। चौथे मैच में वह पांच रन ही बना पाये।

भारतीय अंडर-19 टीम ने पांच मैच की इस सीरीज में 3-1 से बढ़त हासिल कर ली है। वैभव ने इस मैच में 52 गेंद में ही शतक लगा दिया।

सरताज अकादमी ने धूमधाम से मनाया विश्व बैडमिंटन दिवस

इन्दौर । इन्दौर की सरताज अकादमी ने 5 जुलाई को नारायण बाग बाल विकास केंद्र बैडमिंटन हॉल में विश्व बैडमिंटन दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर निधि वर्मा (एसडीएम मल्हारगंज) और अभ्यास मंडल की सचिव माला सिंह ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा एक आकर्षक बैडमिंटन-थीम वाले केक के साथ हुई, जिसे फैंटेसी इन्दौर के सौजन्य से प्रदान किया था। यह मीठा पल सभी के चेहरों पर मुस्कान ले आया। अभ्यास मंडल की सचिव माला सिंह ठाकुर ने विश्व बैडमिंटन दिवस के महत्व और भारतीय बैडमिंटन के दिग्गज प्रकाश पादुकोण की गौरवशाली सफलताओं पर प्रकाश डाला, जो बच्चों के लिए प्रेरणास्रोत बनीं।

इस खास दिन पर माला सिंह ठाकुर, विधायक गोलू शुक्ला और दीपेंद्र सिंह सोलंकी ने भी कोर्ट में उतरकर बैडमिंटन खेला, जिससे कार्यक्रम में और जोश भर गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन सरताज अकादमी के प्रबंध निदेशक और मुख्य प्रशिक्षक धर्मेश यशलहा ने किया।

मुझे जिम्मेदारी और चुनौती स्वीकार करना अच्छा लगता : सिराज

बर्मिंघम । हैदराबाद एक्सप्रेस के नाम से मशहूर मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट में अपने करियर की एक और यादगार पारी खेली। उन्होंने तीसरे दिन इंग्लैंड की पहली पारी में 70 रन देकर 6 विकेट झटके और टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। सिराज ने इस कामयाबी को 'अविश्वसनीय' बताया और कहा कि वह लंबे समय से ऐसे प्रदर्शन का इंतजार कर रहे थे। इस टेस्ट में सिराज भारतीय पेस अटैक के लीडर हैं क्योंकि जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है। उनके साथ आकाशदीप और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे अपेक्षाकृत नए तेज गेंदबाज खेल रहे हैं। सिराज ने कहा कि जब आपको आक्रमण का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी जाती है, तो मेरा लक्ष्य सिर्फ सही दिशा में अनुशासन के साथ गेंदबाजी करना होता है। विकेट बहुत धीमी थी, इसलिए मेरी योजना रन रोकने और दबाव बनाने की थी। सिराज ने मैच के तीसरे दिन शुरुआत में ही इंग्लैंड की आधी टीम को 84 रन पर पवेलियन लौटा दिया। हालांकि, इसके बाद जेमी स्मिथ (नाबाद 184) और हैरी ब्रूक (158) ने 303 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड की वापसी कराई। फिर भी, सिराज ने निचले क्रम के बल्लेबाजों को आउट कर भारत को 587 के जवाब में इंग्लैंड को 407 पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। सिराज ने अपने अनुभव और धैर्य पर भी बात की। उन्होंने कहा मुझे जिम्मेदारी पसंद है और चुनौती स्वीकार करना अच्छा लगता है। टीम में मेरे साथी गेंदबाजों के पास बहुत ज्यादा अनुभव नहीं है। यह आकाशदीप का तीसरा या चौथा मैच है और प्रसिद्ध कृष्णा के लिए भी ऐसा ही है, इसलिए मुझे गेंदबाजी में निरंतरता बनाए रखनी थी और बल्लेबाजों पर दबाव डालना था। पिछली बार सिराज ने 6 विकेट जनवरी 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में लिए थे। इसके बाद 548 दिन बाद उन्हें एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट मिले। सिराज ने माना कि पिछले कुछ समय में वह अच्छी गेंदबाजी तो कर रहे थे लेकिन विकेट नहीं मिल रहे थे।

राजधानी

■ RNI No.CHHHIN/ 9479/2002 ■ Postal Regn No./RYPDN/11/2014-16 अम्बिकावाणी

रायपुर, मंगलवार 8 जुलाई, 2025

62 शिक्षकों का हुआ तबादला

रायपुर। स्कूली शिक्षा विभाग ने सहायक शिक्षक से लेकर प्राचार्य तक 62 शिक्षकों का आज तबादला कर दिया है। इसके आदेश स्कूल शिक्षा विभाग के अवर सचिव आरपी वर्मा के हस्ताक्षर से जारी हुआ। जारी आदेश में कहा गया है कि शासकीय एवं शत प्रतिशत अनुदान प्राप्त शालाओं के शिक्षकों (सहायक शिक्षक से लेकर प्राचार्य तक) को शिक्षा सत्र के अंत तक पुनर्नियुक्ति प्रदान करने के संबंध में निम्नानुसार प्रस्ताव प्राप्त हुआ है जिसके तहत शासकीय एवं शत प्रतिशत अनुदान प्राप्त शालाओं के शिक्षक संवर्ग (सहायक शिक्षक से प्राचार्य तक) को शिक्षा सत्र तक पुनर्नियुक्ति प्रदान करने की अनुशंसा करती है। यह पुनर्नियुक्ति आदेश, शासन स्तर से किसी सत्र विशेष के लिये जारी न किया जाकर, स्थाई आदेश के रूप में जारी किया जाना उचित है, जिसमें सेवानिवृत्ति तिथि के उपरांत स्वमेव सत्रांत तक पुनर्नियुक्ति मान्य की जायेगी। यदि कोई सेवानिवृत्त शिक्षक लिखित में पुनर्नियुक्ति से इंकार करता है तो ही पुनर्नियुक्ति नहीं दी जायेगी। संदर्भित प्रस्ताव पर शिक्षा सत्र 2025-26 हेतु प्रशासकीय अनुमोदन प्राप्त हुआ है। अतः पुनर्नियुक्ति के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों के आधार पर अपने स्तर से आवश्यक कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें।

जारी है बारिश ...मौसम विभाग ने जारी किया येलो और ऑरेंज अलर्ट, प्रदेश में अब तक 291.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। रविवार को दिन भर बरसने के बाद सोमवार सुबह से भी प्रदेश के अधिकांश जगहों पर बारिश हो रही है। छत्तीसगढ़ के हिसाब से बात करें तो सावन के पहले ही अषाढ़ की विदाई में इतनी अच्छी बारिश को खेती किसानी के लिए अच्छा माना जा रहा है। उधर मौसम विभाग ने येलो और ऑरेंज अलर्ट अलग अलग जिलों के लिए जारी किया है। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 291.9 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 447.8 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 113.7 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

छत्तीसगढ़ मौसम विभाग ने पूरे प्रदेश में भारी बारिश होने के साथ बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। इतना ही नहीं मौसम विभाग ने प्रदेश के 9 जिलों में ऑरेंज अलर्ट और बाकी क्षेत्रों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है। जांजगीर-चांपा, रायगढ़, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सूरजपुर, बलरामपुर, कोरिया, सरगुजा जिले में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में तेज गरज-चमक के साथ मध्यम बारिश हो सकती हैं। वहीं सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, बलौदाबाजार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, सूरजपुर, कोरिया, बलरामपुर जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार सरगुजा में 244.9 मि.मी., सूरजपुर में 394.7 मि.मी., जशपुर में 410.2 मि.मी., कोरिया में 371.0 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 281.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर जिले में 192.5 मि.मी., बलौदाबाजार में 259.0 मि.मी., गरियाबंद में 230.4 मि.मी., महासमुंद में 249.3 मि.मी. और धमतरी में 233.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर में 276.0 मि.मी., मुंगेली में 318.5 मि.मी., रायगढ़ में 426.9 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 316.0 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 385.8 मि.मी., सक्ती में 323.3 मि.मी. कोरबा में 394.5 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 286.7 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड हुई है। दुर्ग जिले में 144.7 मि.मी., कबीरधाम में 195.7 मि.मी., राजनांदगांव में 140.9 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 353.2 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 160.8 मि.मी., बालोद में 198.9 मि.मी. और बस्तर जिले में 431.0 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड हुई है। कोंडागांव में 248.5 मि.मी., कांकेर में 306.8 मि.मी., नारायणपुर में 304.9 मि.मी., दंतेवाड़ा में 385.0 मि.मी., सुकमा में 192.9 मि.मी. और बीजापुर में 412.7 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

न्यूज गैलरी

जल, जमीन और जंगल को बचाना है, तो सबको एक रहना होगा- खडगे

रायपुर। साइंस कॉलेज मैदान में किसान-जवान और संविधान जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने सोमवार को मोदी सरकार पर तीखे वार किए। उन्होंने कहा कि जल, जमीन और जंगल को बचाना है, तो सबको एक रहना होगा। छत्तीसगढ़ की शराब नीति पर कहा कि सारी योजनाएं बंद कर दी गई, लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार ने 67 नई शराब दूकानें खोलने का काम किया और नकली शराब बेची जा रही है। रायपुर में 15 हजार प्रतिनिधियों ने उनका राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में चुनाव किया, इसके लिए वे आभारी हैं। छत्तीसगढ़ में पार्टी के राष्ट्रीय महाधिवेशन के दौरान छत्तीसगढ़ के लोगों को बदनाम करने की कोशिश की गई। ईडी और आईटी की कार्रवाई हुई मगर कार्यकर्ता डरे नहीं और मुंहतोड़ जवाब देकर अधिवेशन किया। भाजपा के साथ मजबूती से लड ?ा होगा।

छत्तीसगढ़ के अनिमेष ने ग्रीस में 100 मीटर दौड़ को 10.2 सेकंड से कम समय में पूरा कर बने पहले भारतीय

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अनिमेष कुजूर ने ग्रीस में आयोजित ड्रोमिया इंटरनेशनल स्प्रिंट और रिले मीटिंग 2025 में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में 10.18 सेकंड का समय निकालकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। वे 100 मीटर को 10.2 सेकंड से कम समय में पूरा करने वाले पहले भारतीय बन गये हैं। अनिमेष कुजूर का जन्म छत्तीसगढ़ के जशपुर के घुईटानगर गांव में हुआ था और वे अनिमेष उरांव समुदाय से हैं। उनका बचपन का कुछ समय छत्तीसगढ़ के सरगुजा में बीता था। अनिमेष ने अंबिकापुर के सैनिक स्कूल में भी पढ़ाई की थी और इसके बाद वे अब ओडिशा में रहते हैं। वारी के. बागलात्जिस म्यूनिसिपल स्टेडियम में फाइनल बी में कुजूर ने ग्रीक धावक सोटिरियोस गारागानिस (10.23 सेकंड) और फिनलैंड के समुली सैमुएलसन (10.28 सेकंड) को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया। कुल स्टैंडिंग में, कुजूर ने दक्षिण अफ्रीका के बेंजामिन रिचर्डसन (10.01 सेकंड) और ओमान के अली अनवर अल-बलूशी (10.12 सेकंड) के बाद तीसरा स्थान प्राप्त किया। 22 वर्षीय कुजूर ने बेंगलुरु में इंडियन ग्रां प्री 1 में गुरिंदरवीर सिंह द्वारा स्थापित पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड 10.20 सेकंड को तोड़ा। उन्होंने अपने पिछले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 10.27 सेकंड को भी 0.09 सेकंड से सुधारा है।

मल्लिकार्जुन खरगे अंबेडकर के दूसरे अवतार बनकर आ रहे है छत्तीसगढ़ - पूर्व मंत्री भगत

रायपुर। कांग्रेस के पूर्व मंत्री अमरजीत सिंह भगत ने मल्लिकार्जुन खरगे की तुलना संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अम्बेडकर से करते हुए रायपुर में प्रस्तावित किसान जवान संविधान जनसभा को लेकर कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे अंबेडकर के दूसरे अवतार बनकर छत्तीसगढ़ आ रहे है। उन्होंने प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि, छत्तीसगढ़ में जंगल उजड़ रहे, किसान त्राहिमाम कर रहा है। स्कूलों में शिक्षक नहीं है, शिक्षा व्यवस्था गर्त में जा रही। ऐसे में जब संविधान पर खतरा मंडरा रहा है तब खडगे अंबेडकर के दूसरे अवतार बनकर छग आ रहे है। वे दबे, कुचले, शोषित की आवाज बनकर छत्तीसगढ़ आ रहे है। भगत ने नक्सलियों से जुड़े मुद्दे पर भी बयान दिया है। दरअसल पिछले दिनों माओवादी संगठनों ने शांति वार्ता कराने तेलंगाना सरकार को पत्र लिखा था, इस पर पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि, हथियार और हिंसा एक साथ नहीं चल सकती है। सरकार भी बोल चुकी है कि, पहले हथियार डाले और बातचीत करें। उन्होंने आगे कहा कि, यह देश गांधी के शांति और वार्ता का देश है। अगर पाकिस्तान से बातचीत हो सकती है, तो इनसे क्यों नही? भगत ने साफतौर पर कहा कि, हिंसा और वार्ता एक साथ नहीं चल सकती है।

सनातन आस्था पर हमला करने की अपनी आदत को दरकिनार करते हुए खडगे जी जय श्रीराम का जयकारा लगाएंगे? - भाजपा

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आप भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ की धरती पर आए हैं, छत्तीसगढ़ की जनता और भाजपा आपसे पूछती है कि क्या आप सनातन आस्था पर हमला करने की अपनी आदत को दरकिनार करते हुए जय श्रीराम का जयकारा लगाएंगे? आपके दुर्जन बेटे ने कहा, सरकार बनी तो आरएसएस पर बैन लगेगा। क्या ये संविधान की हत्या नहीं है? कांग्रेस के नेताओं को सनातन से इतनी नफरत क्यों? कभी राम को काल्पनिक तो कभी हिंदू आस्था को जहर बताना... क्या यही आपकी कांग्रेस की सोच है? पूर्ववर्ती भूपेश सरकार में छत्तीसगढ़ को कांग्रेस का एटीएम बना दिया गया था। शराब घोटाला, कोयला घोटाला, खाद घोटाला, सीजीपीएससी घोटाला, ट्रांसफर उद्योग कर आपके नेताओं ने बेशुमार पैसा दिल्ली दरबार पहुंचाया है। क्या आपको भी अपना हिस्सा मिला? छत्तीसगढ़ कांग्रेस के कई नेता जेल में हैं। क्या भ्रष्टाचार पर आपकी चुप्पी का अर्थ यह निकाला जाए कि कांग्रेस के आका भी इसमें शामिल है ? बाबा साहब के संविधान की बात करने से पहले, कांग्रेस द्वारा इमरजेंसी लगाकर संविधान हत्या की गई, आप इस पर कुछ बयान देंगे। छत्तीसगढ़ की जनता पूछ रही है - खडगे जी, जवाब देंगे या फिर एक बार सनातन का विरोध कर चले जाएंगे?

राज्य में पहली बार गले के नस की दुर्लभ सर्जरी, 70 वर्षीय मरीज को मिली नई जिंदगी

रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज रायपुर से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के हार्ट, चेस्ट और वैस्कुलर सर्जरी विभाग में एक दुर्लभ और जोखिमपूर्ण सर्जरी कर 70 वर्षीय मरीज की जान बचाई गई। मरीज के गले की नस कैरोटिड आर्टरी में 95 प्रतिशत ब्लॉकेज था, जिसे कैरोटिड एंडआर्टरेक्टॉमी नामक जटिल सर्जरी से सफलतापूर्वक हटाया गया। यह सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू एवं उनकी टीम द्वारा की गई। डॉ. साहू के अनुसार यह सर्जरी राज्य में इस प्रकार की प्रथम एवं अत्यंत दुर्लभ सर्जरी है।

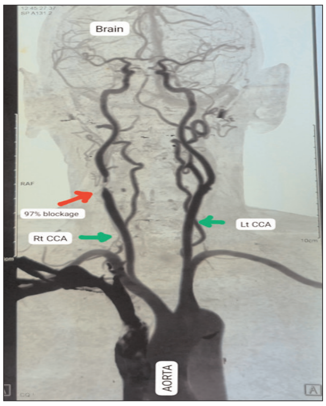

मरीज को थी लकवे और दृष्टिदोष की शिकायत - बालाघाट निवासी 70 वर्षीय मरीज को पिछले दो वर्षों से बार-बार लकवा, चक्कर, एक आंख से धुंधला दिखना और सुनाई न देने जैसी समस्याएं हो रही थीं। प्रारंभिक जांच के बाद कैरोटिड सीटी एंजियोग्राफी कराई गई, जिसमें पता चला कि मरीज की दाहिनी कैरोटिड आर्टरी में 95 प्रतिशत से अधिक रुकावट थी। इससे मस्तिष्क को रक्त की आपूर्ति बाधित हो रही थी।

सर्जरी थी बेहद जोखिमभरी - डॉ. के.के. साहू ने परिजनों को स्पष्ट किया कि इस सर्जरी में जान का खतरा हो सकता है, क्योंकि ऑपरेशन के दौरान यदि कोई भी प्लाक का टुकड़ा या हवा का बुलबुला मस्तिष्क में चला जाता तो मरीज ब्रेन डेड हो सकता था। इसके बावजूद मरीज एवं परिजनों ने ऑपरेशन की सहमति दी। सर्जरी के दौरान कैरोटिड शंट नामक विशेष उपकरण का प्रयोग किया गया ताकि मस्तिष्क में रक्त प्रवाह लगातार बना रहे। ब्लॉकिज हटाने के बाद नस को बोवाइन पेरीकार्डियम पैच से मरम्मत कर पुनः सामान्य किया गया। सर्जरी पूरी तरह सफल रही और मरीज अब स्वस्थ होकर डिस्चार्ज होने की स्थिति में है। डॉ. साहू के मुताबिक, गले की नस के ब्लॉकिज खोलने की अन्य विधि कैरोटिड आर्टरी स्टेंटिंग है पर सर्जरी जिसको कैरोटिड एंडआर्टरेक्टॉमी कहा जाता है, वह सुरक्षित होता है।

क्या होती है कैरोटिड आर्टरी और क्यों होता है ब्लॉकेज?
कैरोटिड आर्टरी वह मुख्य धमनी होती है जो गले से होते हुए मस्तिष्क तक रक्त पहुंचाती है। इसमें रुकावट का मुख्य कारण होता है – धूम्रपान, तंबाकू सेवन, अनियंत्रित डायबिटीज, उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल का जमा होना। 50 प्रतिशत तक ब्लॉकेज होने पर आमतौर पर लक्षण स्पष्ट नहीं होते, परंतु 70-80 प्रतिशत से अधिक ब्लॉकेज पर ट्रांजिएंट इस्केमिक अटैक (टीआईए) या छोटे स्ट्रोक जैसे लक्षण सामने आते हैं – जैसे अचानक एक आंख से दिखना बंद होना, मुंह टेढ़ा होना, बोलने में दिक्कत या संतुलन बिगड ?ा।

बचाव के उपाय - इस बीमारी को रोका जा सकता है – धूम्रपान और तंबाकू छोड़कर, ब्लड प्रेशर और शुगर नियंत्रित रखकर, और संतुलित आहार व नियमित व्यायाम के माध्यम से। जिन मरीजों को कोरोनरी आर्टरी डिजीज होती है, उनमें 8-10 प्रतिशत मामलों में कैरोटिड आर्टरी में भी ब्लॉकेज होता है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा को है खरगे के मोबाइल की चिंता

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अपने एक दिवसीय प्रवास पर सोमवार की दोपहर को राजधनी रायपुर पहुंचे। उन पर तंज कसते हुए छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा मुझे खरगे जी के मोबाइल की चिंता है क्योकि पिछले दिनों उनके प्रदेश अध्यक्ष का मोबाइल प्रदेश कार्यालय राजीव भवन से चोरी हो चुका है।

फियाइटोइन सोडियम इंजेक्शन पर छत्तीसगढ़ मेडिकल कार्पोरेशन ने लगाया रोक

रायपुर। छत्तीसगढ़ मेडिकल कार्पोरेशन ने एक और दवा फि ?इटोइन सोडियम इंजेक्शन के वितरण व उपयोग पर रोक लगा दी है। निगम के ड्रग स्टोर आफिसर ने जारी आदेश में कहा कि मुख्यालय द्वारा औषधि फि ?इटोइन सोडियम इंजेक्शन आईपी (ड्रग कोड-डी409) बैच नंबर सीपीवाई-2503, विनिर्माण 01-03-2025, समाप्ति 28-02-2027, विनिर्माणकर्ता- मेसर्स सिस्टोकेम लैबोरेटरीज लिमिटेड के उपयोग एवं वितरण पर आगामी आदेश तक रोक लगाया गया था तथा पुनः गुणवत्ता परीक्षण कराया गया। पुनः गुणवत्ता परीक्षण उपरांत औषधि फि ?इटोइन सोडियम इंजेक्शन आईपी (ड्रग कोड- डी409) बैच नंबर सीपीवाई-2503 का अमानक प्रतिवेदन प्राप्त हुआ है। मुख्यालय द्वारा औषधि के उक्त बैच का उठाव कर नवीन बैच की आपूर्ति करने हेतु फर्म को आदेशित किया गया है। संस्था में उक्त वैध का स्टॉक उपलब्ध होने की स्थिति में उपरोक्त बैच को दवा गोदाम रायपुर को वापस करने के निर्देश दिए गए है। यह मिर्गी झटके और सर में चोट होने के बाद होने वाली झटका रोकने की दवाई है। किसी किसी मरीज को या जीवन पर्यंत देना पड़ता है।

ऑपरेशन सिंदूर को छिटपुट घटना बताने वाले खडगे को जवानों का नाम लेने का हक नहीं - कश्यप

00 देश और प्रदेश के किसानों ने कांग्रेस को हर चुनाव में सबक सिखाया, 00 आपातकाल थोपने और राज्य सरकारों को बर्खास्त करने वाली कांग्रेस संविधान की बात किस मुंह से करती है

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वन और सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि किसानों व जवानों के आत्मसम्मान और संविधान की आत्मा को लहूलुहान करने वाली कांग्रेस आज उनके नाम पर राजनीतिक पाखण्ड का शर्मनाक प्रदर्शन कर रही है। श्री कश्यप ने कहा कि कांग्रेस की राजधानी में किसान-जवान-संविधान जनसभा कांग्रेस के मिथ्या प्रलाप की एक नई सियासी कवायद से ज्यादा कुछ नहीं है।

प्रदेश के वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट को यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि अपने शासनकाल में कांग्रेस की भूपेश-सरकार ने हर कदम पर न केवल किसानों के साथ छलावा किया, अपितु किसानों के आत्मसम्मान को कुचलने में भी कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी थी। कांग्रेस की भूपेश सरकार ने वादा करके भी किसानों को दो साल का बकाया बोनस नहीं दिया, धान खरीदी का पैसा किसानों को चार-चार किश्तों में 'खानदान' की चाटुकारिता करते हुए रुला-रुलाकर दिया, धान खरीदी के लिए बारदाना तक पर्याप्त संख्या में भूपेश सरकार मुहैया नहीं करा रही थी। जिस भूपेश-सरकार का पूरा कार्यकाल किसानों की आत्महत्या के कलंक से भरा हो, वह कांग्रेस आज किस मुँह से किसानों के नाम पर प्रलाप कर रही है? कश्यप ने कहा कि केंद्र में भी जब तक कांग्रेस की सरकार रही, किसानों के लिए 55 सालों में एक भी कल्याणकारी काम नहीं किया, जबकि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार किसानों को उचित समर्थन मूल्य दे रही है, फसल बीमा योजना दे रही है, किसान सम्मन निधि दे रही है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर हर किसान से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से धान खरीद रही है और धान की राशि एकमुश्त किसानों के खाते में जमा हो रही है।

कश्यप ने कहा कि जो खडगे ऑपरेशन सिंदूर को छिटपुट ऑपरेशन बताकर सेना का मनोबल तोड? का काम करते हैं, जिनके नेतृत्व वाली कांग्रेस एयर स्ट्राइक, सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगती रही हो, नक्सलियों के समर्थन में बयान देती है, वो जवान की क्या बात करेंगे? कश्यप ने कहा कि कांग्रेस ने हर कदम पर देश और प्रदेश में जवानों का मनोबल हमेशा कम करने का काम किया है। प्रदेश में नक्सलबाद का खात्मा हो रहा है, जवान लड़ रहे हैं तब कांग्रेस एक तरफ नक्सलियों से अपना भाईचारा निभा रही है, वहीं दूसरी ओर जवानों का मनोबल गिराने का काम कर रही है। देश में सीमाओं की सुरक्षा और देश के स्वाभिमान के लिए लड़ रहे जवानों के प्रति कांग्रेस के लोगों की स्तरहीन टिप्पणियाँ देश भूला नहीं है। अब ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पाकिस्तान की भाषा बोलकर भारतीय सेना के शौर्य पर कांग्रेस सवाल उठा रही है।

कांकेर में पिछले पांच दिनों में तीसरी बार शिवनगर पहाड़ पर दिखा वन्य प्राणी तेंदुआ

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के शिवनगर पहाड़ पर वन्य प्राणी तेंदुआ देखा गया। तेंदुए ने रात के समय दो मुर्गियों का शिकार किया और सुबह पहाड़ पर घूमता नजर आया। विदित हो कि कांकेर के शहरी इलाकों में पांच दिन में तेंदुआ तीसरी बार देखा गया है, यानी 1 जुलाई को भी तेंदुआ कांकेर के इमलीपारा क्षेत्र के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में दिखाई दिया था।

उस समय तेंदुए ने एक बछड़े का शिकार किया था। वहीं पास के कोडेजूंगा गांव में 2 जुलाई को कई आवारा कुत्ते अचानक गायब हो गए। गांव वालों को शक है कि तेंदुए ने ही उन्हें शिकार बनाया है। तेंदुए के बार-बार दिखाई देने से आस-पास के गांवों में डर का माहौल है। पिछले कुछ महीनों में कांकेर और उसके आस-पास तेंदुओं की मौजूदगी बढ़ गई है।

कांकेर जिले के शहरी इलाकों में तेंदुए की मौजूदगी को लेकर दहशत व्याप्त है। एक जुलाई को जिस इलाके में तेंदुए ने गाय को जिंदा मारकर खाया था, उसी इलाके से लगे कोडेजूंगा में 2 जुलाई को कुछ आवारा कुत्ते गायब हुए हैं। यहां के रहवासी को आंशका है कि तेंदुए ही कुत्तों को शिकार बना रहा है। तेंदुओं की बढ़ती आबादी से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गांव से लेकर शहर तक पहाड़ी और रहवासी इलाकों में तेंदुए दिख रहे हैं। वर्तमान में हाउसिंग बोर्ड और कोडेजूंगा इन दो इलाकों में तेंदुए की पुष्टि हुई है। वहीं कांकेर के दुधावा क्षेत्र में तेंदुओं के हमलों की कई घटनाएं हो चुकी हैं। अब तक 6 लोगों पर हमला हो चुका है, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। कुछ समय पहले एक आदमखोर तेंदुआ पकड़ा गया था, जिसने कई ग्रामीणों पर हमला किया था। कभी-कभी तेंदुए घरों में भी घुस जाते हैं, जिससे लोग बहुत डरे हुए हैं।

कांकेर डीएफओ रौनक गोयल ने कहा कि तेंदुए पर लगातार निगरानी की जा रही है। अब तक तीन बार तेंदुएं के पहुंचने की सूचना हमें मिली है। बाजू में तेंदुआ संरक्षित पहाड़ होने की वजह से सुबह तेंदुआ देखा गया। निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरा भी लगाया गया है। जरूरत पड? पर तेंदुए को पकड? की कार्रवाई की जाएंगी।

राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक 11 जुलाई को

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में शुक्रवार 11 जुलाई 2025 को सवेरे 11.30 बजे से राज्य मंत्रिपरिषद (केबिनेट) की बैठक अटल नगर नवा रायपुर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित होगी।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा निर्माण ऑफसेट, आदर्श नगर डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड (मोवा थाना के सामने) मोवा रायपुर से मुद्रित कर वेलकम टॉवर, शंकर नगर फ्लैट नम्बर बी-1 से प्रकाशित ■ प्रधान संपादक -महेन्द्र सिंह टुटेजा, प्रबंध संपादक - नरेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ Email- raipurambikavani@gmail.com